News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-172
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, शुक्रवार 27 सितम्बर 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

ईमानदार के लिए किसी वेश-भूषा या साज-श्रृंगार की आवश्यकता नहीं होती। इसके लिए सादगी ही प्रर्याप्त है।

कमल नाथ के गढ़ रहे छिंदवाड़ा में नगर निगम अध्यक्ष का तख्ता पलट करने की तैयारी, 32 पार्षद हुए एकजुट

छिंदवाड़ा। नगर निगम अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनू बाबू के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। कभी कमल नाथ के गढ़ रहे छिंदवाड़ा में बड़ा उलटफेर होने वाला है। नियमों के मुताबिक 48 पार्षद और एक वोट महापौर का है। ऐसे में 25 पार्षद के समर्थन के आधार पर अध्यक्ष के लाभ पर विश्वास प्रस्ताव पारित हो सकता है।गुरुवार रात को एक निजी होटल में भाजपा पार्षदों की और संगठन पदाधिकारी की बैठक हुई। इसमें वे पार्षद भी शामिल थे, जो लंबे समय से संगठन से नाराज चल रहे थे। बैठक में 32 पार्षद ने अविश्वास प्रस्ताव लाने पर सहमति प्रदान करते हुए हस्ताक्षर कर दिए। 32 पार्षद उन्हें प्रस्ताव पर सहमति दे दी। भाजपा जिला अध्यक्ष ने नाराज चल रहे 7 पार्षदों को समझाइश दी की नया निगम अध्यक्ष सब की सहमति से बनाया जाएगा। इसके बाद सभी पार्षदों में सहमति दे दी। बता दें कि 2022 में नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस के 26 और भाजपा के 18 पार्षद और चार निर्दलीय पार्षद जीते थे, दो पार्षदों ने भाजपा को समर्थन कर दिया वहीं दो पार्षदों ने कांग्रेस का दामन थामा। इसके बाद आप और विक्रम अहके और सभापतियों के भाजपा में जाने के बाद अब भाजपा के पास 34 और कांग्रेस के पास 14 पार्षद बचे हैं।

साइबर एक्सपर्ट ही हो गई डिजिटल अरेस्ट का शिकार, 55 लाख की ठगी

नई दिल्ली। साइबर अपराधी लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए लगातार नए-नए तरीकों को अपना रहे हैं। ऐसे में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें साइबर एक्सपर्ट ही डिजिटल अरेस्ट के झांसे में फंस गई। साइबर अपराधियों ने एनबीसीसी यानी नेशनल बिल्डिंग्स कंट्रक्शन कॉर्पोरेशन की डायरेक्टर को डिजिटल अरेस्ट करके उनसे 55 लाख रुपए की मोटी रकम ठग ली। आपको बता दें कि डायरेक्टर एनबीसीसी में खुद साइबर मामलों को देखती हैं, मगर खुद ही साइबर ठगी के जाल में फंस गई। इस मामले में दिल्ली पुलिस की इंटेलीजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन्स यानी आईएफएसओ यूनिट ने अपराधियों का भंडाफोड़ करते हुए तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में आईएफएसओ के डीसीपी डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि 12 सितंबर को एनबीसीसी की डॉयरेक्टर ने खुद के साथ डिजिटल अरेस्ट होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक, यह वारदात 9 सितंबर को हुई थी, एक आदमी ने उन्होंने फोन किया खुद को मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 स्थित कस्टम ऑफिस का अधिकारी बताया। फोन करने वाले ने कहा कि 6 सितंबर को एक पार्सल जब्त किया गया है, जिसमें 16 फर्जी पासपोर्ट, 58 एटीएम कार्ड और 40 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया है। साथ ही फोन करने वाले ने कहा कि पार्सल पर आपका नाम है। इतना ही नहीं, फोन करने वाले एनबीसीसी की डॉयरेक्टर को कहा कि मुंबई पुलिस ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। ऐसे में सरेंडर करना होगा। साइबर अपराधी ने डॉयरेक्टर को डराने के लिए यह भी कहा कि उनके खिलाफ सीबीआई जांच भी चल रही है। ऐसे में गिरफ्तारी तक उनके ऊपर वीडियो कॉल के जरिए निगरानी रखी जाएगी।

लेबनान में जंग रोकने से नेतन्याहू का इनकार, सोशल मीडिया पर दी जानकारी

यरुशलम/बेरूत। इजराइल ने लेबनान में जंग रोकने से इनकार कर दिया है। इजराइली प्रधानमंत्री के कार्यालय ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि सीजफायर की रिपोर्ट्स गलत हैं। बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने बताया है कि अमेरिका-फ्रांस की तरफ से जंग रोकने की मांग की थी। इसका नेतन्याहू ने जवाब नहीं दिया है। इजराइल के मुताबिक, पीएमम नेतन्याहू की सलाह पर सेना पूरी ताकत से लेबनान में लड़ाई जारी रखेगी। वहीं, हिजबुल्लाह ने इजराइल के राफेल मिलिट्री फैसलिटी पर 45 रॉकेट दागे हैं। इससे कितना नुकसान पहुंचा है, इसका पता नहीं चल पाया है। पलटवार में इजराइली सेना बेरूत में हवाई हमले कर रही है। इजराइली इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक हवाई हमले में हिजबुल्लाह की ड्रोन युनिट के कमांडर मोहम्मद सरूर समेत 2 लोगों की मौत हुई है। वहीं लेबनान की स्टेट मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल ने लेबनान के यूनीन इलाके में गुरुवार को हमला किया। इसमें 23 सीरियाई लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग लेबनान में काम के लिए गए थे।

भारत 6जी अलाएंस की बैठक में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया

6 जी भारत का भविष्य है...

नई दिल्ली। भारत सरकार 5जी को बड़े पैमाने पर लाने के बाद अब 6जी पर काम कर रही है। इसी बीच केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को भारत 6जी अलाएंस के सात समूहों के साथ बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान मंत्री सिंधिया ने कहा, दुनिया में आज भारत के देश के मिशन 6जी स्टैंडर्ड के योगदान में नेतृत्व कर रहा है। भारत आज के समय में दूरसंचार का सबसे बड़ा बाजार है। इसमें डिवाइस का उत्पादन, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर से लेकर वॉयस एंड टेलीफोनी डेटा शामिल है। ऐसे में भारत को जरूर इसका नेतृत्व करना चाहिए। भारत 6जी अलाएंस के ऊपर वैश्विक स्टैंडर्ड और उनके प्रोस्प्रेक्टिव की अहम जिम्मेदारी है। ऐसे में मैं काम का तरीका और उसकी गुणवत्ता की गहराई देखकर हैरान हूं। भारत आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर 6 जी में दुनिया का नेतृत्व जरूर करेगा। मंत्री सिंधिया ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि 6जी भारत का भविष्य है और भारत में 6जी के लिए काफी क्षमता है। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे कहा, पीएम नरेंद्र मोदी के विजन के तहत भारत टेलीकॉम सुपरपावर बनाना है। ऐसे में भारत 6जी अलाएंस के साथ सात समूह काम कर रहे हैं, इस संबंध में एक बैठक हुई। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही हम इस सेक्टर की ताकत बढ़ाने के लगातार चर्चा कर रहे हैं। इसके जरिए दूरसंचार के एक नए युग, कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए और फॉस्टिंग विकास बढ़ाने के लिए चर्चा की गई। सरकार ने 6जी सर्विस की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कोशिश के तहत केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने 12 सितंबर को कहा था कि सबसे तेज 5जी सेवा लाने के बाद भारत छठी पीढ़ी की मोबाइल सेवाओं में दुनियाभर में हुए पेटेंट का 10वां हिस्सा हासिल करने का लक्ष्य बना रहा है। वे एआईएमए राष्टीय प्रबंध सम्मेलन के 51वें संस्करण में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य आने वाले दिनों में इस 'भारत 6जी अलायंस' के माध्यम से 6जी में भारत के लिए 10 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय पेटेंट सुनिश्चित करना है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया था। लॉन्ग आईलैंड के नासाउ कोलिजीयम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कई बड़े एलान किए थे। उन्होंने बताया था कि आज भारत का 5जी मार्केट अमेरिका से भी बड़ा हो चुका है और ये सिर्फ दो साल के भीतर हुआ है।

ईशा और आकाश अंबानी हुरुन इंडिया की अंडर 35 लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली। एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी जहां अपनी संपत्ति को लेकर चर्चा में रहते हैं, तो उनकी फैमिली के सदस्य भी सुर्खियां बनते रहते हैं। गुरुवार को जारी हुई '2024 हुरुन इंडिया अंडर-35' की पहली लिस्ट में उनकी बेटी ईशा अंबानी का जलवा दिखा। उन्हें सबसे कम उम्र की महिला इंडिविजुअल आंत्रप्रेन्योर के रूप में शामिल किया गया है। ईशा अंबानी का जन्म 23 अक्टूबर 1991 को हुआ था और वे 32 साल की हो चुकी हैं। उन्हें हुरुन की लिस्ट में 31वें पायदान पर रखा गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक इस लिस्ट में फिजिक्स वाला के फाउंडर और टीचर अलख पांडे भी शामिल हैं। वहीं, शेयरचैट के अंकुश सचदेवा और रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी को सबसे कम उम्र के ट?यक्तिगत उद्यमी के तौर पर शामिल किया गया है। इनकी उम्र 31 साल है। हुरुन इंडिया 2024 की इस रिपोर्ट में शामिल 82 फीसदी नव उद्यमी सेल्फमेड हैं। इस सूची में 35 साल के कम उम्र की 7 महिलाओं को शा?मिल किया गया है। हुरुन इंडिया 2024 की लिस्ट में शामिल लोगों के बिजनेस की वैल्यू 418 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस लिस्ट में देश के 35 साल या उससे कम उम्र के 150 उद्यमियों को शामिल किया जाता है। हुरुन इंडिया फर्स्ट जनरेशन के उन उद्यमियों को शामिल करता है जिनके बिजनेस का मूल्यांकन 50 मिलियन डॉलर (करीब 418 करोड़ रुपये) और नेक्स्ट जनरेशन बिजनेस आंत्रप्रेन्योर, जिनके बिजनेस का मूल्यांकन 100 मिलियन डॉलर (करीब 837 करोड़ रुपये) है।

संशोधित आईटी नियम औपचारिक रूप से रद्द, असंवैधानिक घोषित

मुंबई। बॉम्बे उच्च न्यायालय के तीसरे न्यायाधीश के फैसले के बाद गुरुवार को उच्च न्यायालय ने औपचारिक रूप से संशोधित आईटी नियमों को रद्द कर दिया। आईटी संशोधन का उद्देश्य सोशल मीडिया पर सरकार के खिलाफ फैलाई जा रहीं फर्जी खबरों की रोकथाम करना था, लेकिन उच्च न्यायालय ने इसे असंवैधानिक बताकर संशोधित नियमों को रद्द कर दिया। इससे पहले 20 सितंबर को न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि संशोधित नियम अस्पष्ट हैं और इनका सोशल मीडिया पर भी व्यापक प्रभाव पड़ सकता है और संशोधित आईटी नियमों को रद्द करने का आदेश दिया। इससे पहले इस साल की शुरूआत में एक खंडपीठ का इस मामले पर विभाजित मत सामने आया था, अब न्यायमूर्ति चंदुरकर ने भी संशोधित आईटी नियमों को रद्द करने का आदेश दिया है। तीसरे न्यायाधीश के फैसले के बाद, न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और नीला गोखले की खंडपीठ ने गुरुवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, न्यूज ब्रॉडकास्ट एंड डिजिटल एसोसिएशन और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन द्वारा नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर औपचारिक रूप से फैसला सुनाया और आईटी नियमों को रद्द करने का आदेश दिया। न्यायालय ने कहा, बहुमत की राय के मद्देनजर, नियम 3 (1) (व्ही) को असंवैधानिक घोषित किया जाता है और इसे रद्द कर दिया जाता है। इस मामले की शुरुआत में न्यायमूर्ति गौतम पटेल (अब सेवानिवृत्त) और नीला गोखले की खंडपीठ द्वारा समीक्षा की गई थी, जिन्होंने जनवरी में विभाजित निर्णय दिया था। न्यायमूर्ति पटेल ने तर्क दिया था कि नियम सेंसरशिप का गठन करते हैं, जबकि न्यायमूर्ति गोखले ने कहा कि वे मुक्त भाषण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं करते हैं। न्यायमूर्ति चंदुरकर ने न्यायमूर्ति पटेल के साथ अपनी राय को जोड़ते हुए नागरिकों के मुक्त अभिव्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस साल की शुरुआत में एक खंडपीठ का इस मामले पर विभाजित मत सामने आया था, अब न्यायमूर्ति चंदुरकर ने भी संशोधित आईटी नियमों को रद्द करने का आदेश दिया है। तीसरे न्यायाधीश के फैसले के बाद, न्यायमूर्ति एएस गडकरी और नीला गोखले की खंडपीठ ने गुरुवार को नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर औपचारिक रूप से फैसला सुनाया।

सोने का भाव 78,000 रुपए के रिकॉर्ड स्तर के पार

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के साथ आभूषण विक्रेताओं की लगातार खरीदारी से राष्टीय राजधानी में गुरुवार को सोने का भाव 400 रुपए की तेजी के साथ 78,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, सोना लगातार दूसरे दिन भी 400 रुपए की तेजी के साथ 78,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को यह कीमती धातु 77,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। मजबूत विदेशी रुख के बीच औद्योगिक इकाइयों व सिक्का निर्माताओं के बीच मजबूत मांग से चांदी भी 1,000 रुपए बढ़कर 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले सत्र में यह धातु 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा 99.5 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव भी 77,900 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय मांग में तेजी और मजबूत वैश्विक रुख के कारण सोने की कीमतों को समर्थन मिला। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि प्रमुख पश्चिमी केंद्रीय बैंकरों की आसान मौद्रिक नीति और मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण बढ़ती चिंताओं के बीच सोने में हाल के दिनों में तेजी को बढ़ावा मिला है। गांधी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के अलावा इससे कीमती धातुओं को भी समर्थन मिला। वहीं एशियाई कारोबारी घंटों में चांदी भी 2.63 प्रतिशत बढ़कर 32.86 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी व करेंसी सेगमेंट के उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा कि व्यापारियों को शुक्रवार को आने वाले सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों के साथ-साथ कोर व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) मूल्य सूचकांक का भी इंतजार रहेगा, जो बाजार की दिशा के लिए प्रमुख चालक होंगे।

पांच साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या, तीन दिन से लापता बच्ची का शव बंद पड़े फ्लैट में मिला

भोपाल। राजधानी भोपाल में तीन दिन से लापता बच्ची का शव एक बंद पड़े फ्लैट में मिला है। मासूम के लापता होने के बाद से परिजन और पुलिस उसकी तलाश में जुटे हुए थे, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल रहा था। पुलिस की एक दर्जन से अधिक टीमें बच्ची की तलाश में शहर की खाक छान रही थीं। गुरुवार सुबह बच्ची का शव उसी बिल्डिंग में मिला जिसमें वह रही थी। बिल्डिंग में एक बंद पड़े फ्लैट में पानी की टंकी से मासूम का शव बरामद किया गया। मामला शहांजहानाबाद थाना क्षेत्र का है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने बताया कि आरोपी का नाम अतुल है। उसने बच्ची को अगवा किया। रेप के बाद गला घोंट दिया। इसके बाद शव पानी की टंकी में छिपा दिया। गुरुवार दोपहर को बच्ची का शव बरामद किया गया। आरोपी अतुल की मां बंसती और बहन चंचल को भी आरोपी बनाया है। मां और बहन ने घटना को छिपाने का प्रयास किया। पुलिस ने जांच के लिए एसआईटी बनाई है। इस मामले में आरोपी युवक के साथ ही उसकी मां और बहन को गिरफ्तार किया गया है। खास बात यह है कि आरोपी लापता बच्ची को खोजने में पीड़ित परिवार की मदद करने का नाटक करता रहा। घटना को लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

आंगनबाड़ी में पढ़ती थी बच्ची- जानकारी के अनुसार ईदगाह हिल्स मल्टी में रहने वाली पांच साल की मासूम बच्ची आंगनबाड़ी में पढ़ती थी। उसके माता-पिता मजदूरी करते हैं। मंगलवार को बच्ची ऊपरी मंजिल पर रहने वाली दादी के पास थी, जबकि परिजन काम पर गए थे। दोपहर करीब बारह बजे वह नीचे वाले फ्लैट पर किताब लेने जा रही थी, तभी लापता हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी जब बच्ची का कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने थाने जाकर उसके अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अफसरों ने उसकी तलाश में कई टीमें लगाई थी। इन टीमों ने मल्टी के आसपास के साथ ही शहरभर के विभिन्न इलाकों में लगे सैकड़ो सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर बच्ची का फोटो और हुलिए लोगों को दिखाया गया था। मल्टी के प्रत्येक घर की तलाशी लेने के साथ ही ड्रोन कैमरों की मदद ली, लेकिन बच्ची का कुछ पता नहीं चल पाया था। पुलिस ने भारी सुरक्षा के बीच बच्ची का पोस्टमार्टम कराने के बाद छोला विश्रामघाट में अंतिम संस्कार किया है।

आरोपी पर खरगोन में दर्ज है छह मामले- बच्ची से रेप-मर्डर के आरोपी अतुल के खिलाफ खरगोन में पहले से छेड़खानी, चोरी जैसे छह अपराध दर्ज हैं। पत्नी दो साल से अलग रह रही है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि फॉगिंग के दौरान हुए धुएं का फायदा उठाते हुए उसने बच्ची का मुंह बंद कर अपने फ्लैट में खींच लिया। रेप के बाद गला घोंटकर उसकी हत्या की। एक दिन तक शव कमरे में बिस्तर के बीच छिपाकर रखा। मक्खियां होने लगीं, तो बॉडी को पानी की टंकी में डाल आया।

इस तरह शव के बारे में पता चला पुलिस को- घटना के करीब 48 घंटे बाद गुरुवार को पुलिस टीम तीसरी बार बच्ची के फ्लैट पर पहुंची तो सामने वाले फ्लैट से तेज दुर्गंध आई। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने जब फ्लैट का ताला खुलवाकर भीतर प्रवेश किया तो दुर्गंध और ज्यादा आने लगी। सर्चिंग के दौरान चौहान की नजर बाथरूम के ऊपर बने टॉड पर रखी पानी की छोटी टंकी पर पड़ी तो उन्होंने उसे बाहर निकलवा। इस टंकी में बच्ची का शव कपड़े में लिपटा मिला, जिससे तत्काल ही पीएम के लिए भेज दिया गया। उसके बाद पुलिस ने फ्लैट में रहने वाले अतुल महाले (30), उसकी मां बसंतीबाई और पास ही रहने वाली बहन चंचल को गिरफ्तार कर लिया। अतुल ने बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी गला दबाकर हत्या करना और टंकी में लाश छिपाने की बात कबूल कर ली है।

बच्ची की तलाश में संदेही भी शामिल- पुलिस को जैसे ही शव मिला, उसने किराएदार को हिरातस में ले लिया। यह संदेही युवक खुद मासूम के परिजनों के साथ मिलकर बच्ची को तलाश रहा था। उसके साथ पुलिस भी थी, इसलिए पुलिस को शक नहीं हुआ। हालांकि, पुलिस उससे घटना को लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। लोगों के गुस्से में होने के कारण आरोपी को शाहजहानाबाद थाने में नहीं रखा गया है।

हजारों की भीड़ ने तीन घंटे घेरे रखा थाना- बच्ची की हत्या होने के बाद हजारों की संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ शाहजहांनाबाद थाने पहुंच गई और पुलिस पर समय पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इससे पहले हजारों की भीड़ आरोपियों को जनता के हवाले करने की मांग करते हुए जमकर हंगामा और पत्थरबाजी की। गुस्साई भीड़ ने टीबी अस्पताल सड़क पर चक्काजाम किया। थाने के सामने नारेबाजी का धरना दे दिया। भीड़ आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे थे।

6 साल पहले लापता हुआ मासूम का आज तक नहीं मिला- इसी इलाके में 6 साल पहले 9 महीने के एक मासूम बच्चे का अपहरण कर लिया गया था। बाइक सवार दो युवक बच्चे को पास की ही झांकी में कान्हा बनाने की बात कहकर ले गए थे। जिसके बाद से बच्चे का आज तक कुछ पता नहीं चला है।

सिंगल कॉलम

उत्तम सिंह और केएस चित्रा को कल मिलेगा लता मंगेशकर सम्मान

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन इंदौर के सहयोग से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्मस्मृति के अवसर पर राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण समारोह एवं संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम लता मंगेशकर सभागार, वीआईपी परस्पर नगर, इंदौर में सायं 7 बजे से आयोजित होगा। संचालक, संस्कृति एन.पी. नामदेव ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान वर्ष 2022 संगीत निर्देशन के लिए सुप्रसिद्ध संगीतकार उत्तम सिंह, मुम्बई को अलंकृत किया जाएगा और वर्ष 2023 का पार्श्व गायन के लिए सुप्रसिद्ध गायिका के.एस. चित्रा, चेन्नई को अलंकृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यह कार्यक्रम दो दिवसीय होगा। लता मंगेशकर सभागार में पूर्व संध्या पर 27 सितंबर को स्थानीय कलाकारों द्वारा गीत-संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी। स्थानीय कलाकार स्वर कोकिला लता मंगेशकर द्वारा गाए गीतों की संगीतमय प्रस्तुति देंगे। 28 सितंबर को सायं 7 बजे से सर्वप्रथम अलंकरण समारोह का आयोजन होगा, जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन डॉ. मोहन यादव उपस्थित रहेंगे। इसके बाद संगीत संध्या का आयोजन होगा, जिसमें के.एस. चित्रा एवं साथी कलाकारों द्वारा गीत-संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

नकली घी बनाने वाली यूनिट पर छापा, 5 हजार लीटर पाम ऑइल जब्त

इंदौर। खाद्य विभाग ने गुरुवार को वीर सावरकर नगर में नकली घी बनाने वाली यूनिट में छापा मारा। यहां पाम ऑयल से बनाया गया नकली घी पाया गया। टीम ने मौके से 5 हजार नकली घी (पाम ऑयल) जब्त कर सैंपल जांच के लिए भोपाल लैब भेजे हैं। टीम द्वारा यहां सनी इंटरप्राइजेस का औचक निरीक्षण किया गया। दरअसल सूचना प्राप्त हुई थी कि यहां पर नकली घी का व्यापार किया जा रहा है। मौके पर देवश्री ब्राण्ड के अलग-अलग नाम रामदेवम, मंगलश्री, बालकृष्ण आदि के 1 लीटर और 500 एमएल पैकिंग वाले पाम ऑयल के पैकिंग पाए गए। साथ ही अन्य वेजिटेबल ऑइल के भी बिल?कुल असली घी की तरह दिखने वाले पैकेट भी भारी मात्रा में रखे हुए थे। इन पैकेट को खोलकर भौतिक परीक्षण किया गया। इनकी महक भी बिल्कुल असली घी की तरह थी। संचालक सनी परमार द्वारा खाद्य कारोबार का लाइसेंस भी प्रस्तुत नहीं किया गया। टीम ने 5520 लीटर नकली घी (पाम तेल) जब्त किया है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 7 लाख रुपए है। सैंपल की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

युवक की चाकू मारकर हत्या, लोगों ने मौके पर ही आरोपी को दबोच लिया

इंदौर। इंदौर के लसूडिया में गुरुवार शाम एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। लोगों ने मौके पर ही आरोपी को दबोच लिया। उसे पुलिस के सुपुर्द किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना एबी रोड पर ढाबे के यहां की है। मृतक का नाम राज उर्फ राजू नाम सामने आया है। वहीं हत्या करने वाला आरोपी राजकुमार है। बताया जाता है कि आपसी विवाद में राजकुमार ने राज को चाकू मार दिया। जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यहां लोगो ने तुरंत राजकुमार को पकड़ा ओर पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।

बेसमेंट में संचालित 7 बिल्डिंग सील, चल रही थी कमर्शियल गतिविधियां

इंदौर। जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने बेसमेंट में पार्किंग के स्थान पर संचालित सात बिल्डिंगों को सील किया है। अब यहां वाहन पार्क करने को जगह मिलेगी और ट्रैफिक में सुधार होगा। कलेक्टरआशीष सिंह और नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा के निर्देशन में इन दिनों ऐसी कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को इंदौर टावर (गांधी प्रतिमा), नारायणा इंस्टिट्यूट (साउथ तुकोगंज), प्री आयुर्वेदिक स्पा (श्याम टॉवर आरएनटी मार्ग), ब्रिटिश सेंटर ऑफ स्पोकन इंग्लिश (प्रेम प्लाजा भंवरकुंआ), मालवा टॉवर (भंवरकुंआ), शांति हॉउस पीआर कॉसमॉस बैंक और आई इंदौर सेंटर (मोदी टॉवर) को सील किया गया।

आयशर की टक्कर से दो दोस्तों की मौत

इंदौर। इंदौर के शिप्रा में बुधवार रात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक भाग गया। दोनों को रात में ही एमवाय अस्पताल भेजा गया। दोनों घर लौट रहे थे। शिप्रा पुलिस के मुताबिक घटना मांगलिया के पास की है। यहां पर गोपाल (45) पुत्र अमर गुजराती निवासी इंद्रा नगर और ईश्वर निवासी मांगलिया को रात करीब 9.30 बजे ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में दोनों को एमवाय भेजा गया। यहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

कैलाश विजयवर्गीय ने फिर दी चेतावनी...

टीआई से बोले मंत्री- नशा करने वालों को उलटा लटका देना

इंदौर। इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नशे के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के लिए पुलिस अफसरों को कहा है। वे गुरुवार को भागीरथपुरा क्षेत्र में भाजपा के सदस्यता अभियान में शामिल होने गए थे। उन्होंने मंच से कहा कि आजकल के बच्चे नशे के चक्कर में है और मैं नशे का विरोधी हूं। अभी कुछ दिनों पहले मैंने पुलिस के सामने नशे को लेकर नाराजगी प्रकट की थी। फिर उन्होंने थाना प्रभारी से कहा कि नशा करने वाले, बेचने वालों को उलटा लटका देना। नशा करने के बाद पता नहीं लोगों की इंसानियत कहां चली जाती है। विजयवर्गीय ने कहा कि नशा करने वालों से सबसे ज्यादा परेशान बहन-बेटियां रहती हैं। नशे के बाद लोग गलत हरकत करते हैं। मुझे तो गुस्सा आता है,जब नशाखोर छोटी बच्चियों के साथ गलत हरकत करते हैं। उनका तो गला दबा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में बहुत विकृति आ रही है। इसे सिर्फ धार्मिक गतिविधियां ही बचा सकती है। अभी नवरात्र आ रही है। तब बहन बेटियों की पूजा करो। उन्हें श्रद्धा की दृष्टी से देखो। भारत में मां, बेटी बहनों को देवी स्वरुप मानते है।

इंदौर में ऐसा नहीं चलेगा...

कम कपड़ में एक युवती के रील बनाने के मामले में मंत्री बोले कि कल मेरे पास कुछ महिलाएं आई थी। उन्होंने मुझसे शिकायत करते हुए कहा कि एक लड़की कम कपड़े में घूम रही है। इस बारे में मैने अफसरों से बात की। मैने उनसे कहा कि इंदौर में ऐसा नहीं चलेगा कि कोई भी कैसे भी कपड़े पहन कर निकल जाए। यह माता अहिल्या की नगरी है। यहां महिला की मर्यादा धूमिल होते हुए कोई नहीं देख सकता। उस बेटी ने बाद में माफी मांगी। हम इस इंदौर शहर को नहीं बिगड़ने देंगे। हम शहर के बच्चों का अच्छा भविष्य बनाएंगे।

बच्चियों का भविष्य बनाएंगे

विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर को हम बिगड़ने नहीं देंगे। हम सब मिलकर यहां की बच्चियों का भविष्य बनाएंगे। यहां के बच्चे-बच्चियां अच्छा पढ़ें..उसके लिए काम करेंगे। जो गरीब बच्चे हैं और पढ़ने में तेज हैं उन्हें आकाश जी के पास भेजना..वो बच्चियों की फीस भी भरते हैं और उन्हें आगे भी बढ़ाते हैं। गरीब बच्चे शिक्षित हों यही हमारा प्रयास है। बीजेपी ने राममंदिर बनाया। ऐसी पार्टी के सब सदस्य बनना चाहिए और आप सब भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता लें और हमारा सहयोग करें।

वार्डवासियों को दिया धन्यवाद

इस अवसर पर उन्होंने वार्ड क्रमांक 10 मैं पहली बार भाजपा को जिताने पर वार्डवासियों को धन्यवाद दिया और कहा कि इस वार्ड का अहसान मुझ पर है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी गरीब कल्याण की बात करते हैं और उनका जीवन स्तर सुधारने के लिए कल्याणकारी योजनाओं बनाते हैं। इस तरह हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी और मुख्यमंत्री मोहनजी यादव दोनों गरीब के कल्याण का काम करते हैं।

विजयवर्गीय के बयान पर गरमाई सियासत

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के उलटा लटकाने वाले बयान पर सियासत गरमा गई है। उनके बयान पर कांग्रेस नेता मानक अग्रवाल ने कहा कि नशा तो बीजेपी के लोग करवा रहे हैं। नशा करवाने वाले लोगों को जो संरक्षण दे रहे हैं, उन लोगों को उल्टा लटकाना चाहिए। इंदौर में तीन दिन पहले एक युवती अश्लील कपड़े पहनकर सड़कों पर घूमती रही तब कैलाश विजयवर्गी कहां चले गए थे।

खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अफसर बताने वाला युवक गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में पुलिस ने एक ठग को गिरफ्तार किया है, जो खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अफसर तो कभी नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी (एनएसए) का अफसर बताकर लोगों से ठगी से ठगी करता था। आरोपी ने आर्मी कैंटीन से कार दिलाने का झांसा देकर अपने म्यूजिक टीचर से ही लाखों रुपये और दस्तावेज ले लिए। इसके अलावा उनसे मुबंई के एक युवक को भी ठगा। कार डिलेवर होने में आनाकारी करने पर मामला पुलिस तक पहुंचा। आरोपी कल्पेश बेलदार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके घर से एनएसए लिखी बुलेट जब्त की। उस पर वह तिरंगा लगाकर रखता था। आरोपी ने किन-किन लोगों को ठगा है। इस मामले में पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

डिस्काउंट में वस्तुएं खरीदने का झांसा

कल्पेश एक निजी कंपनी में काम करता है और म्यूजिक सीखने इंदौर में ही भूषण तिवारी से म्यूजिक सीख रहा था। उसने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर मेलजोल बढ़ाया और ज्यादा डिस्काउंट में वस्तुएं खरीदने का झांसा दिया। भूषण ने कार लेने की इच्छा जताई। इस बीच भूषण ने मुबंई में प्रभात मिश्रा को भी लालच दिया था। उसे कल्पेश ने खुद को एनएसए का अधिकारी बताया था। भूषण का विश्वास जीतने के लिए कलेक्श एक महंगे बाइक शोरुम पर ले गया और भूषण को एक बाइक खरीद कर दी। भूषण को बताया कि इसके पैसे उसने खुद चुकाए है,जबकि उनसे मुबंई के प्रभात मिश्रा से उसका पैमेंट कराया। विश्वास जमने के बाद भूषण ने कार खरीदने के लिए कल्पेश को दस्तावेज और लाखों रुपये दे डाले, लेकिन कार नहीं आई तो मामला थाने पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

आर्मी कैंटीन से कार दिलाने का भी झांसा

डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा जोन 2 के मुताबिक मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम लेकर ठगी करने का प्रकरण सामने आया है।

पता चला है कि कल्पेश ने आर्मी कैंटीन से कार दिलाने के नाम पर भी भूषण से पैसे और डाक्यूमेंट लिए थे। कल्पेश ने भूषण के नाम से ही बाइक खरीदी है और पेमेंट मुंबई के किसी व्यक्ति से कराया है। कल्पेश हिरासत में है। इससे और खुलासे होने की उम्मीद है।

इस तरह हुआ शक

पता चला है कि आरोपी कल्पेश को भाजपा नेता संदीप जोशी ने बुधवार रात को ही पुलिस को सौंपा है। उन्होंने जानकारी दी कि यह व्यक्ति खुद को कभी पीएमओ तो कभी एनएसए का अधिकारी बताता फिरता है। ठगी भी कर रहा है। पुलिस ने बताया कि कल्पेश ने किन-किन लोगों से पैसे लिए, इसकी पड़ताल कर रहे हैं। उसके पास से किसी भी तरह के सरकारी एजेंसी के डॉक्यूमेंट नहीं मिले हैं।

जैन समाज ने बनाई राजनीतिक पार्टी, नाम है वीर जनशक्ति पार्टी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। आचार्य, गुरुओं और समाज के वरिष्ठ और प्रबुद्ध लोगों की सलाह पर जैन समाज ने राजनीतिक दल वीर जनशक्ति पार्टी का गठन किया है। यह पार्टी निर्वाचन आयोग में पंजीकृत भी हो गई है। उम्मीद की जा रही है कि 10 दिन में इस पार्टी को चुनाव चिन्ह (सिंबल) भी मिल जाएगा। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि जैन समाज अपने ही देश में विपरीत परिस्थितियों से गुजर रहा है। जगह-जगह तीर्थ स्थानों- मंदिरों पर अतिक्रमण हो रहे हैं। साधु, भगवंतों, आर्यिका माता जी पर जगह-जगह उपसर्ग होते हैं। कई बार असामाजिक तत्वों के कारण उनकी जान भी चली जाती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मणीद्र जैन कहा कि कोई भी पॉलिटिकल पार्टी जैन समाज को टिकट नहीं देना चाहती। लोकसभा में हमारा एक भी प्रतिनिधि नहीं है। इन सब बातों से चिंतित होकर सभी आचार्य, गुरुओं, समाज के वरिष्ठ और प्रबुद्ध लोगों से सलाह लेकर के हमने वीर जनशक्ति पार्टी का गठन किया है। निर्वाचन आयोग में हमारी पार्टी पंजीकृत हो गई है तथा अगले 10 दिन में चुनाव चिन्ह/ सिंबल भी मिल जाएगा। यह पार्टी पंचायत, नगर निगम, विधानसभा और लोकसभा सभी चुनावों में अपने प्रत्याशी खड़े करेगी।

पांच महीने बाद पति के पास वापस लौटी महिला प्रिंसिपल, प्रेमी ने की पिटाई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर की द्वारकापुरी पुलिस ने एक निजी स्कूल की महिला प्रिंसिपल की शिकायत पर उसके दोस्त धीरज कुमार महतो पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया है। यह मामला उस समय सामने आया जब महिला प्रिंसिपल ने अपने पति के साथ रहने का फैसला किया, जिससे धीरज नाराज हो गया था। महिला प्रिंसिपल ने अपनी शिकायत में बताया कि वह और धीरज लगभग 10 महीने पहले एक सिंगिग एप के माध्यम से मिले थे। इसके बाद धीरज बिहार से इंदौर आकर उससे मिलने लगा लेकिन जब महिला के पति ने धीरज से बात करने पर आपत्ति ली, तो महिला ने धीरज के साथ अलग से किराए का मकान लेकर रहना शुरू कर दिया।

तीन दिन पहले महिला ने फिर से अपने पति के साथ रहने का फैसला किया और धीरज के साथ रहने के लिए छोड़ दिया। इसे लेकर धीरज नाराज हो गया और देर रात महिला के घर में घुसकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भाग गया।

आरोपी की तलाश कर रही पुलिस

पुलिस ने धीरज कुमार महतो पर मारपीट, जान से मारने की धमकी और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मामले में महिला प्रिंसिपल ने बताया कि धीरज ने उसके पति को भी जान से मारने की धमकी दी थी। महिला ने आगे बताया कि वह धीरज के साथ लगभग 5 महीने तक रहती थी, लेकिन अब वह अपने पति के साथ रहना चाहती है। पुलिस ने महिला प्रिंसिपल की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की है। मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

इंदौर से लापता हुए नाबालिग भाई-बहन सूरत में मिले

इंदौर। इंदौर के तिलक नगर से लापता हुए 12 साल के बेटे और 8 साल की बेटी को गुजरात के सूरत में सुरक्षित तलाश लिया गया है। पुलिस ने दोनों बच्चों को सूरत से इंदौर वापस लाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। शालीमार पाम्स निवासी महेश बड़तीय ने तिलक नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका बेटा और बेटी घर के पास से खेलते-खेलते लापता हो गए। परिवार ने आसपास ढूंढा, लेकिन वे नहीं मिले। इसके बाद वे थाने पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने मामले की जांच शुरू की और आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखे। इसमें बच्चे रेलवे स्टेशन की ओर जाते दिखाई दिए। पुलिस ने तत्काल रेलवे पुलिस को अलर्ट किया और इंदौर से सूरत के बीच सभी स्टेशन पर बच्चों को तलाशा गया। सूरत में रेलवे पुलिस ने दोनों बच्चों को सुरक्षित पकड़ लिया। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे सूरत में अपने रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। पुलिस ने दोनों को सूरत स्टेशन पर उतार लिया और अब उन्हें इंदौर वापस लाया जा रहा है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तकनीक की मदद से बच्चों को सुरक्षित मिलाया जा सका। यह घटना दशार्ती है कि पुलिस और तकनीक का संयोजन कैसे अपराधों को रोकने और लापता व्यक्तियों को ढूंढने में मदद कर सकता है। इस मामले में तिलक नगर पुलिस और डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा की प्रतिक्रिया से बच्चे जल्द मिल पाए।

एमरल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में कंडक्टर ने बच्ची से की छेड़छाड़

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के एमरल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में एक बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। गुरुवार सुबह बच्ची के पैरेंट्स ने स्कूल प्रबंधन से इसकी शिकायत की। पैरेंट्स कई लोगों को लेकर स्कूल के कार्यालय पहुंचे और बच्ची से हरकत करने वाले कंडक्टर को बुलवाया गया। स्कूल प्रबंधन ने आरोपी कंडक्टर से मामले में पूछताछ की लेकिन, उसने छेड़छाड़ की बात से इनकार कर दिया। इससे बच्ची के परिजन और उनके साथ आए परिचित नाराज हो गए, इसके बाद उन्होंने स्कूल में जमकर खूब हंगामा किया। स्कूल प्रबंधन ने कंडक्टर को पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

पैरेंट्स ने स्कूल मैनेजमेंट के खिलाफ खोला मोर्चा

स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा ने अपने पिता को इशारों के जरिये बताया था कि उसके साथ छेड़छाड़ हो रही है। इसके बाद उन्होंने बुधवार रात स्कूल के नर्सरी क्लास के वाट्सएप ग्रुप पर यह बात साझा की। इसके बाद पैरेंट्स ने स्कूल मैनेजमेंट के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। देर रात तक ग्रुप पर बहस चलती रही। गुरुवार को सुबह पैरेंट्स एक साथ स्कूल पहुंच गए और संदेही आरोपी को सामने लाने की मांग की। बच्ची ने भी संदेही को पहचान लिया। संदेही आरोप नकारता रहा। बाद में पुलिस पहुंची और कर्मचारी को अपने साथ ले गए। पीड़िता के पिता ने जानकारी दी कि मेरी बच्ची ने खुद उसके साथ हरकत करने वाले को पहचान लिया है। इतनी छोटी बच्ची मुझसे झूठ क्यों बोलेगी?

पिता ने नहीं की पुलिस शिकायत

बच्ची के पिता ने पुलिस से इस मामले में शिकायत नहीं की है। पुलिस संदेही से पूछताछ कर रही है। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कर्मचारी पर कानूनी कार्रवाई करवाई जाएगी।

पैरेंट्स ने जारी किया वीडियो

स्कूल मैनेजमेंट ने पैरेंट्स को मेल स्टाफ पर लगाई जाने वाली पाबंदियों की जानकारी दी। यह भी कहा कि छोटी क्लासेस में मेल स्टाफ बिल्कुल नहीं जाएगा। पूरे स्कूल का सर्वे कराया जाएगा। इसके बाद भी पैरेंट्स सुरक्षा को लेकर अपनी आपत्ति जताते रहे और हंगामे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी कर दिया।

बचाव की मुद्रा में आ गया मैनेजमेंट

पेरेंट्स के स्कूल पहुंचने पर स्कूल मैनेजमेंट बचाव की मुद्रा में आ गया। उसने पेरेंट्स को मेल स्टाफ पर लगाई जाने वाली पाबंदियों को जानकारी दी। यह भी कहा कि छोटी क्लासेस में मेल स्टाफ बिल्कुल नहीं जाएगा। पूरे स्कूल का सर्वे कराया जाएगा। इसके बाद भी पेरेंट्स सुरक्षा को लेकर अपनी आपत्ति पर अड़े रहे।

पेरेंट्स के सामने कर्मचारी बोला- मुझे गोली मार दो

इस दौरान संदेही कर्मचारी को पेरेंट्स ने सामने बुलाकर कबूलनामा कराने की मांग की। कुछ देर हंगामे के बाद कर्मचारी को सबके सामने बुलाया गया और सवाल पूछे गए। वह आरोपों को नकारता रहा और कहता रहा कि मुझे गोली मार दो..।

बाद में पुलिस पहुंची और कर्मचारी को अपने साथ ले गई। पीड़िता के पिता ने कहा कि बच्ची ने खुद अपने साथ हरकत करने वाले को पहचान लिया है। इतनी छोटी बच्ची मुझसे झूठ क्यों बोलेगी?

मप्र में श्रीअन्न के रकबे में तीन साल में हुई दोगुना वृद्धि

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश में श्रीअन्न (मिलेट) के उत्पादन और उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2020-21 में जहां इसका रकबा 67 हजार हेक्टेयर था, वह वर्ष 2023-24 में बढ़कर 1.35 लाख हेक्टेयर रिकॉर्ड किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीअन्न उत्पादक किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए ऐतिहासिक फैसला लेते हुए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना को लागू करने का फैसला किया है। मध्यप्रदेश में श्रीअन्न के विस्तार के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही मध्य प्रदेश राज्य मिलेट्स मिशन संचालित है। प्रदेश में श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फॉर्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के नाम से मिलेट फेडरेशन का पंजीयन भी कराया गया है। प्रदेश में वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में व्यापक तौर पर मनाया गया। मिलेट्स के उत्पादन और उपयोग के प्रोत्साहन के लिए निरंतर कार्यक्रम किये जा रहे हैं। प्रदेश में मिलेट फसलें जैसे कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, रागी आदि किसानों द्वारा उगाई जाती है।

इनमें कोदो-कुटकी की खेती मुख्य रूप से अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों जैसे मंडला, डिंडौरी, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, छिंदवाड़ा आदि जिलों में की जाती है। रागी की खेती प्रदेश में डिंडोरी, मंडला, सिवनी और जबलपुर में व्यापक तौर पर की जाती है। प्रदेश के खरगोन, खंडवा, बड़वानी, छिंदवाड़ा, बैतूल, राजगढ़ और गुना जिले में ज्वार की खेती होती है। बाजरे की खेती मुख्य रूप से मालवा क्षेत्र में होती है। मिलेट्स की खेती मुख्यत- खरीफ ऋतु में की जाती है।

मध्यप्रदेश सरकार मिलेट को दे रही प्रोत्साहन
मध्यप्रदेश में श्रीअन्न के उत्पादन और उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिये अभूतपूर्व प्रयास किये जा रहे हैं। इसके सकारात्मक परिणाम भी आ रहे हैं। राज्य सरकार के प्रयासों और किसानों के परिश्रम से मिलेट्स के रकबे में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2020-21 में जहां इसका रकबा 67 हजार हेक्टेयर था, वह वर्ष 2023-24 में बढ़कर 1.35 लाख हेक्टेयर रिकॉर्ड किया गया है।

मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन
मिलेट्स के प्रोत्साहन के लिये वर्ष 2023-24 में मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन द्वारा बीज वितरण, कृषक प्रशिक्षण, कृषक अध्ययन भ्रमण, सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर फूड फेस्टिवल, रोड-शो इत्यादि से मिलेट्स का प्रचार-प्रसार किया गया। इतना ही नहीं इंदौर में आयोजित 17वें प्रवासी भारतीय दिवस एवं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में श्रीअन्न आधारित उत्पादों की शो-केसिंग की गई। भोपाल में हुए जी-20 (कृषि वर्किंग ग्रुप) सम्मेलन में श्रीअन्न आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। मिलेट्स को प्रोत्साहित करने के लिये मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के सहयोग से निगम के सभी होटल्स में मिलेट व्यंजन परोसे जा रहे हैं। सभी आउटलेट में मिलेट की ब्रॉण्डिंग भी की जा रही है।

मप्र में कौन-कौन से मिलेट होते हैं?
प्रदेश में मिलेट फसलें जैसे कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, रागी आदि किसानों द्वारा उगाई जाती है। इनमें कोदो-कुटकी की खेती मुख्य रूप से अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों जैसे मंडला, डिंडौरी, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, छिन्दवाड़ा आदि जिलों में की जाती है। रागी की खेती प्रदेश में डिण्डोरी, मण्डला, सिवनी और जबलपुर में व्यापक तौर पर की जाती है। प्रदेश के खरगौन, खण्डवा, बड़वानी, छिंदवाड़ा, बैतूल, राजगढ़ और गुना जिले में ज्वार की खेती होती है। प्रदेश में बाजरे की खेती मुख्य रूप से मालवा क्षेत्र में होती है। मिलेट्स की खेती मुख्यत- खरीफ सीजन में की जाती है।

भाजपा ने 24 दिन में बनाए 1.81 करोड़ सदस्य, दूसरा चरण 1 से 15 अक्टूबर तक

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश भाजपा ने उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे नंबर पर 1 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाएं है। भारतीय जनता पार्टी ने दो सितंबर से शुरू सदस्यता अभियान में 25 सितंबर तक 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बनाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने सिर्फ 24 दिन के अंदर प्रमाणिक एवं पारदर्शी तरीके से 1 करोड़ सदस्य बनाकर नया रिकॉर्ड कायम किया है। लोकतंत्र में किसी राजनीतिक दल के इतने कम समय में रिकॉर्ड बनाना अभूतपूर्व है। संगठन पर्व के पहले चरण में प्रदेश में 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बने, जिसमें से 95 लाख ऑनलाइन फॉर्म भरे गए। भाजपा के सदस्यता अभियान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री, सांसद, विधायक और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं ने एक साथ उतरकर और गली गली घूमकर सदस्य बनाएं। शर्मा ने कहा कि यह बताता है कि मध्य प्रदेश में भाजपा का कार्यकर्ता कर्मठता और संगठन की निष्ठा का आदर्श है।

नया रिकॉर्ड कायम किया
भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से चर्चा में वीडी शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सिर्फ 24 दिन के अंदर प्रमाणिक एवं पारदर्शी तरीके से 1 करोड़ सदस्य बनाकर नया रिकॉर्ड कायम किया है। लोकतंत्र में किसी राजनीतिक दल के इतने कम समय में रिकॉर्ड बनाना अभूतपूर्व है। संगठन पर्व के पहले चरण में प्रदेश में 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बने, जिसमें से 95 लाख ऑनलाइन फॉर्म भरे गए।

संगठन पर्व का दूसरा चरण
वीडी शर्मा ने कहा कि संगठन पर्व का दूसरा चरण 1 से 15 अक्टूबर तक चलेगा। 29 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुनते हुए सदस्यता अभियान चलाकर सदस्य बनाए जाएंगे। गुरुवार को मप्र के 11 जिलों में घनघोर बारिश हुई। उसके बाद भी कार्यकर्ताओं ने सदस्यता का अभियान चलाया। मेरे संसदीय क्षेत्र के कटनी के गांव में नेटवर्क नहीं था। तो लोगों ने छत पर बैठकर सदस्यता की।

कल की जाएगी सदस्यता अभियान की समीक्षा
शर्मा ने कहा कि पहले चरण के सदस्यता अभियान की 28 सितंबर को समीक्षा की जाएगी। इसमें जिन क्षेत्र में पीछे रहे उन्हें भी अगले चरण में आगे लाने को लेकर योजना बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि दूसरा चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। शर्मा ने कहा कि 29 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुनते हुए सदस्यता अभियान चलाकर सदस्य बनाए जाएंगे।

सीएम बोले- विकसित भारत बनाने भाजपा के सदस्य बनें
पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर बुधवार को मध्यप्रदेश में भाजपा ने अधिकतम सदस्यता दिवस मनाया और पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर नए सदस्यों को जोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय और संगठन महामंत्री हितानंद सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश भर में बूथों पर जाकर लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरेला के बूथों पर जाकर लोगों से मुलाकात की और सदस्यता दिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी गरीबों के जीवन में खुशहाली ला रहे हैं। भाजपा जो कहती है, वह करके दिखाती है। विकसित भारत बनाने के लिए आप सभी भाजपा का सदस्य बनें। उन्होंने कहा कि आज मध्य प्रदेश में नए सदस्य बनाने का रिकॉर्ड बनाकर पं. दीनदयाल जी को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा रही है।

बीजेपी के सदस्यता अभियान को नेता प्रतिपक्ष ने बताया फर्जी
मध्यप्रदेश सहित देश भर में भारतीय जनता पार्टी इन दिनों सदस्यता अभियान चला रही है। इसे लेकर पार्टी में काफी उत्साह देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश में पहले चरण में एक करोड़ से ज्यादा लोगों को सदस्य बनाने का दावा किया जा रहा है। वही दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सदस्यता अभियान को फर्जी बताते हुए वीडी शर्म पर जमकर निशना साधा।

उन्होंने कहा है कि जैसा फर्जी इखढ का सदस्यता अभियान, वैसा ही फर्जी पार्टी अध्यक्ष वीडी शर्मा का बयान भी है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में 25 सितंबर को सदस्यता अभियान का पहला चरण पूरा होने पर बीजेपी द्वारा प्रदेश में सदस्यता महाअभियान का आयोजन किया गया था। इस में बताया गया कि कार्यकर्ताओं और नेताओं ने बढ़चढ़कर काम किया और एक करोड़ से अधिक का टारगेट पूरा किया। तो वही एक करोड़ से अधिक सदस्य बनाने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने वीडी शर्मा पर हमला बोलते हुए मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि जैसा फर्जी इखढ का सदस्यता अभियान, वैसा ही फर्जी पार्टी अध्यक्ष वीडी शर्मा का बयान भी है। आए दिन मीडिया में खबरें आ रही है कि जबरन जनता को धमका कर, सरकारी तंत्र का प्रयोग करके भाजपा अपना फर्जी सदस्यता अभियान चला रही है। उज्जैन में आउटसोर्स कर्मचारियों को भाजपा का सदस्य बनाने का काम दे दिया गया जिससे जनता के कार्य को रोका गया। हालांकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जी मीडिया में आने वाली खबरों को झूठा बता रहे है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आगे कहा कि सरकारी राशन की दुकान हो, सरकारी कॉलेज हो या हॉस्पिटल हो सभी जगह भाजपा का फर्जी सदस्यता अभियान चल रहा है, जनता परेशान है। सार्वजनिक स्थानों को भाजपा कार्यालय में तब्दील कर दिया गया है। क्या यह जन व्यवस्था और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग नहीं? क्या वीडी शर्मा जी मारपीट कर, सदस्य बनाने को सही मानते हैं।

पटवारी बोले- सरकारी कर्मचारियों को सदस्य बना रही भाजपा
पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने बीजेपी के सदस्यता अभियान पर ट्वीट करते हुए लिखा- मध्य प्रदेश में बीजेपी के नेता अपने आकाओं को खुश करने के लिए अब सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को भी भाजपा का सदस्य बना रहे हैं! हाल ही में भोपाल नगर निगम के शासकीय कर्मचारियों को भाजपा का सदस्य बनाया गया है। मैं सभी शासकीय सेवकों से कहना चाहता हूं कि आपकी प्रतिबद्धता किसी पार्टी के प्रति नहीं, बल्कि जनता और जनसेवा के प्रति होनी चाहिए।

मप्र के उच्च शिक्षा संस्थानों में अब एक समान क्रेडिट प्रणाली

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सतत क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी दिशा में उच्च शिक्षा विभाग ने अध्यादेश 14 (1) को लागू करने का निर्णय लिया है। यह नवीन अध्यादेश प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होगा, जिससे सभी संस्थानों में एक समान क्रेडिट प्रणाली सुनिश्चित होगी।

इस अध्यादेश के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य संवर्धन एवं कौशल विकास को पाठ्यक्रमों में समाहित किया गया है। अभी स्नातक पाठयक्रमों के लिए अलग-अलग दो अध्यादेश लागू थे। अध्यादेश 14 (ए) सेमेस्टर प्रणाली, अध्यादेश 14 (बी) वार्षिक प्रणाली। अब इन दोनों को सरलीकृत करते हुए अध्यादेश 14 (1) बनाया गया है, जो सभी स्नातक पाठ्यक्रमों पर लागू होगा। यह कदम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और समाज से जोड़ने के उद्देश्य से लिया गया है।

यह होगा अध्यादेश 14 (1) में
एक समान क्रेडिट प्रणाली- नवीन अध्यादेश से सभी शिक्षण संस्थानों में एक जैसी क्रेडिट प्रणाली होगी, जिससे विद्यार्थियों को एक संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरण लेने में आसानी होगी। श्रेणी सुधार के अवसर- इस अध्यादेश के तहत विद्यार्थियों को श्रेणी सुधार के भी अवसर प्रदान किए जाएंगे, जो पूर्व के अध्यादेश में उपलब्ध नहीं थे। मुख्य विषयों के विकल्प- पहले जहां केवल एक मुख्य विषय का विकल्प था, अब विद्यार्थी दो मुख्य विषयों का चुनाव कर सकेंगे। ऑनलाइन पाठ्यक्रम का प्रावधान- यदि किसी संस्था में विषय उपलब्ध नहीं हैं, तो विद्यार्थियों को ऑनलाइन विकल्प चुनने की सुविधा भी दी जाएगी। भाषा अध्ययन अनिवार्य- पहले तीनों वर्षों में भाषा अध्ययन अनिवार्य नहीं था, जबकि नवीन अध्यादेश में तीनों वर्षों में भाषा अध्ययन अनिवार्य होगा।

17 अक्टूबर की तैयारी में जुटा राज्य कर्मचारी संघ,भोपाल में होगा बड़ा आंदोलन

भोपाल। पदोन्नति फिर से शुरू करने, पुरानी पेंशन बहाल करने सहित 25 मांगों को लेकर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ आंदोलित है। संघ ने बुधवार को प्रदेशभर में प्रदर्शन कर मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपे हैं और मांगें पूरी न होने की स्थिति में 17 अक्टूबर को भोपाल में धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। संघ धरना-प्रदर्शन की तैयारी में जुट गया है। संघ ने विभिन्न संवर्ग के कर्मचारियों की मांगें उठाई हैं। इसमें सबसे बड़ी मांग पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू करने और पदोन्नति फिर से शुरू करने की है। मध्य प्रदेश में सवा आठ साल से पदोन्नति पर रोक लगी है। जिससे कर्मचारी दुखी हैं, क्योंकि सरकारी सेवा के अंतिम चरण में मिलने वाली पदोन्नति के बगैर ही उन्हें रिटायर होना पड़ रहा है। हालांकि उन्हें वरिष्ठ पद का आर्थिक लाभ मिल रहा है, पर पद न मिलने से रिटायरमेंट के बाद मिलने वाले लाभों पर असर पड़ रहा है। संघ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह साफ कर चुके हैं कि कर्मचारी अपनी प्रत्येक मांग के लिए पूरी ताकत से लड़ेगा और अपना अधिकार पाकर ही रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि राज्य सरकार 17 अक्टूबर से पहले प्रमुख मांगों को पूरा कर कर्मचारियों को खुश कर देगी।

कांग्रेस ने लोगों को खिलाए कर्ज के लड्डू...

भोपाल। प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ लगातार उग्र हो रही प्रदेश कांग्रेस ने गुरुवार को राजधानी भोपाल में एक अनोखा प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने कर्ज के लड्डू बांटे। दरअसल अपने पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती से एक दिन पहले प्रदेश की भाजपा सरकार ने बाजार से पांच हजार करोड़ का फिर से कर्ज लिया है। शुक्ला का कहना है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस वित्त वर्ष में ही 10 हजार करोड़ का कर्जा ले लिया है। और अब तक के कार्यकाल में वे 15000 करोड़ का कर्ज ले चुके हैं। शुक्ला ने कहा कि प्रदेश सरकार पर अब लगभग पौने चार लाख करोड़ का कर्ज है। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने यहां एकत्रित लोगों को कर्ज के लड्डू खिलाते हुए कहा कि प्रदेश पर कर्ज की स्थिति यह है कि राज्य के कुल बजट से ज्यादा राज्य पर कर्ज चढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के एक दिन पहले पांच हजार करोड़ का कर्जा लेकर भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि अंतिम व्यक्ति के विकास की बातें कितनी खोखली हैं।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी
प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं और आमजनों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। शुक्ला ने कहा कि अब तक हमने बुजुर्गों से कंबल ओढ़कर घी पीने की कहावत सुनी थी, लेकिन इससे आगे बढ़ते हुए भाजपा सरकार और उसके नेता कर्ज के लड्डू खाकर मालामाल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब अदूरदर्शी और अक्षम नेतृत्व हो तो उसके पास राज्य को चलाने के लिए कर्ज का रास्ता ही बचता है लेकिन जनता को इसकी कीमत चुकानी होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश की जनता पर रहम करे और प्रदेश को कर्ज में डुबो रही मोहन सरकार और उसके मंत्रियों को तत्काल हटाए। इस दौरान रवीन्द्र साहू झूमर वाला, तारिक अली, अमित खत्री, संदीप सरवैया, मुजाहिद सिद्दीकी, राहुल सेन, मो फहीम, असलम डायर, मेहमूद अनवर गुड्डू, मो आमिर,अलमास अली,अलीम उद्दीन बिल्ले, रविशंकर मिश्रा, सुशील ठाकुर, अनीस सलमानी, फैजान खान आदि मौजूद थे।

मासूमों को 'खिलौना' समझ रहे दरिंदे

मध्यप्रदेश में आए दिन गैंगरेप, दुष्कर्म और यौन शोषण के मामले

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश में आए दिन गैंगरेप, दुष्कर्म और यौन शोषण के मामले सामने आ रहे हैं। स्कूलों में भी बच्चे और बच्चियां दरिंदगी का शिकार हो रही हैं। हाल ही में राजधानी भोपाल में भी ऐसे मामले सामने आए हैं, इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ गई। यह घटनाएं सिर्फ पीड़ित बच्चों के अभिभावकों के लिए ही नहीं, अन्य लोगों के लिए भी चिंता का विषय है। बीते दिनों भोपाल के एक निजी स्कूल के आईटी टीचर कासिम रेहान ने तीन साल की मासूम के साथ दरिंदगी की। भोपाल ही एक अन्य स्कूल का केमिस्ट्री टीचर दसवीं कक्षा के छात्र के साथ करीब दो साल से कुकर्म कर रहा था। राजधानी के ऐशबाग इलाके में एक स्कूल वैन में ढाई साल की मासूम के साथ यौन शोषण हुआ। मुरैना और हरदा में भी दो मासूम दरिंदगी का शिकार हो गईं। आइए, अब एक-एक कर इन दिल दहला देने वाले मामलों के बारे में जानते हैं।

तीन साल की मासूम के साथ टीचर ने की दरिंदगी
राजधानी के कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित निजी स्कूल के 33 साल के आईटी टीचर कासिम रेहान ने 3 साल की मासूम के साथ स्कूल की बाथरूम में दरिंदगी की। आरोपी टीचर इससे पहले भी उसके साथ गंदी हरकत कर चुका था। मां ने अपनी मासूम बेटी के प्राइवेट पार्ट पर खरोंच के निशान देखे थे, लेकिन उसने इन्हें अनदेखा कर दिया। बीती 13 सितंबर को बच्ची स्कूल से घर पहुंची तो मां उसके कपड़े बदल रही थी, इस दौरान उसे बेटी के प्राइवेट पार्ट पर खरोंच के निशान दिखे और हल्की ब्लीडिंग भी नजर आई। मां ने पीड़िता से पूछा तो उसने कहा कि कासिम सर गंदी काम करते हैं। यह सुनकर मां के होश उड़ गए, उसने उसी दिन स्कूल पहुंचकर शिकायत की। लेकिन, उसकी शिकायत पर स्कूल प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की। सोमवार 15 सितंबर को स्कूल खुलने पर आरोपी कासिम रेहान पहले की तरह ही स्कूल पहुंचा। इसके बाद मासूम की मां ने कमला नगर थाने जाकर केस दर्ज कराया। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अभी वह आरोपी भोपाल केंद्रीय जेल में बंद है।

छात्र से शिक्षक ने किया कुकर्म, अश्लील वीडियो भी बनाया
राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के एक स्कूल में पढ़ने वाले 10वीं के 16 साल के छात्र ने हाल ही में चौंकाने वाला खुलासा किया। छात्र ने थाने पहुंचकर पुलिस को बताया कि उसका केमिस्ट्री टीचर करीब दो साल से उसके साथ कुकर्म कर रहा है। पीड़ित छात्र ने पुलिस को बताया कि करीब दो साल पहले केमिस्ट्री टीचर ने डरा-धमकाकर उसके साथ अप्राकृतिक कृत्य किया, इस दौरान उसने उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। जिसे वायरल करे और परीक्षा में फेल करने की धमकी देकर वह उसके साथ लगातार शोषण कर रहा है। टीकर की हरकतों से परेशान होकर पीड़ित छात्र ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद उन्होंने थाने पहुंचे और आरोपी टीचर के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस ने 28 साल के आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसी तरह का एक और मामला बीते दिनों भोपाल के ऐशबाग इलाके से सामने आया था। इलाके में रहने वाली एक बच्ची बीते शनिवार को हंसी-खुशी स्कूल गई थी। वह रोजाना वैन से ही स्कूल आती-जाती थी। लेकिन, 21 सितंबर को स्कूल से आते ही बच्ची अपनी मां से लिपट गई और रोने लगी। इस दौरान उसने मां से कहा कि एक अंकल ने वैन में गंदी हरकत (बैड टच) की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, सीसीटीवी की जांच की, लेकिन ऐसा कोई सबूत नहीं मिला जिससे घटना की पुष्टि हो। इधर, जब सीडब्ल्यूसी की टीम ने पीड़िता बच्ची के बयान लिए तो उसने उसी के मोहल्ले में रहने वाले करीब तीन साल के एक बच्चे पर इसका आरोप लगाया। यह सुनकर टीम भी हैरान रह गई। हालांकि, बच्ची के परिजन मामले में कोई कार्रवाई नहीं चाहते थे। ऐसे में उन्होंने इसे लेकर थाने में एक आवेदन दे दिया।

कुरकुरे दिलाने के बहाने मासूम से किया दुष्कर्म
मध्य प्रदेश के हरदा जिले के छीपाबड़ में पांच साल की बच्ची से गांव के सुनील नाम के युवक ने कुरकुरे दिलाने के बहाने से दुष्कर्म किया। आरोपी बच्ची को कुरकुरे दिलान के लिए अपने साथ ले गया था। काफी देर तक बच्ची वापस नहीं लौटी तो पिता ने उसकी तलाश शुरू की।

सम्पादकीय

पर्यटन और शांति के बीच गहरे संबंध पर विचार करने का दिन

विश्व पर्यटन दिवस हर साल 27 सितंबर को दुनियाभर में मनाया जाता है। इसे मनाने का उद्देश्य पर्यटन के महत्व और इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक योगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। पर्यटन न केवल विभिन्न संस्कृतियों और स्थानों को जोड़ता है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख हिस्सा भी है, जो कई देशों के लिए आय और रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है।

पर्यटन किसी भी देश की समृद्धि का प्रतीक हो सकता है। यह सांस्कृतिक आधार पर तो लोगों को प्रभावित करता ही है, साथ ही देश की आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देने में योगदान देता है। पर्यटन के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ही एक दिन विश्व पर्यटन दिवस के तौर पर मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस हर साल 27 सितंबर को दुनियाभर में मनाया जाता है। इसे मनाने का उद्देश्य पर्यटन के महत्व और इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक योगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। पर्यटन न केवल विभिन्न संस्कृतियों और स्थानों को जोड़ता है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख हिस्सा भी है, जो कई देशों के लिए आय और रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है। विश्व पर्यटन दिवस एक ऐसा अवसर है, जो हमें पर्यटन के महत्व को समझने और इसके विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक होने का मौका देता है। पर्यटन केवल यात्रा और मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से हम पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के विकास में भी अपना योगदान दे सकते हैं। पर्यटन दिवस मनाने की जरूरत कब और क्यों महसूस की गई, साथ ही पर्यटन दिवस पहली बार किसने और कैसे मनाया, यह जानना भी रोचक है। विश्व पर्यटन दिवस की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र की संस्था विश्व पर्यटन संगठन ने 1980 में की थी। संगठन ने 27 सितंबर को पर्यटन दिवस मनाने का फैसला लिया। इसका भी एक अहम कारण है। 27 सितंबर 1970 को विश्व पर्यटन संगठन की स्थापना हुई थी। संगठन के संस्थापक सम्मेलन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर विश्व पर्यटन दिवस मनाने की शुरुआत हुई। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य पर्यटन के विकास को प्रोत्साहित करना और इसे वैश्विक शांति, समृद्धि और समझ के एक साधन के रूप में प्रस्तुत करना है। पर्यटन न केवल विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, बल्कि यह आर्थिक विकास, रोजगार के अवसर और पर्यावरणीय संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है और यह सेक्टर वहां के नागरिकों के लिए रोजगार का एक बड़ा स्त्रोत है। इसके अलावा, पर्यटन हमें एक-दूसरे की संस्कृतियों, परंपराओं, और इतिहास को जानने और समझने का मौका देता है। यह दिन उन सभी लोगों के लिए भी एक प्रेरणा है जो पर्यटन उद्योग में काम कर रहे हैं और इसके विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं। हर साल संयुक्त राष्ट्र की संस्था विश्व पर्यटन संगठन द्वारा एक नई थीम निर्धारित की जाती है, जिसके तहत पर्यटन से संबंधित प्रमुख मुद्दों और संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2024 की थीम है, 'पर्यटन और शांति' है, इस थीम का उद्देश्य है कि पर्यटन समुदायों को बदल सकता है - रोजगार पैदा कर सकता है, समावेश को बढ़ावा दे सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है। इस वर्ष की थीम के बारे में बात करते हुए यूएन टूरिज्म की वेबसाइट में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि पर्यटन लोगों को एक साथ लाता है। इस विश्व पर्यटन दिवस पर, हम पर्यटन और शांति के बीच गहरे संबंध पर विचार कर रहे हैं। सतत पर्यटन समुदायों को बदल सकता है, रोजगार पैदा कर सकता है, समावेशन को बढ़ावा दे सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है। सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को महत्व देने और संरक्षित करने से, यह तनाव को कम करने और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। अक्टूबर 1997 में यूएन डब्ल्यूटीओ महासभा ने विश्व पर्यटन दिवस के उत्सव में संयुक्त राष्ट्र के भागीदार के रूप में कार्य करने के लिए प्रत्येक वर्ष एक मेजबान देश को नामित करने का फैसला किया था। तभी से हर वर्ष एक देश को मेजबान के तौर पर चुना जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2024 का मेजबान देश है जॉर्जिया।

'मेक इन इंडिया' पहल के 10 साल पूरे!

आप में से प्रत्येक व्?यक्ति अग्रणी, दूरदर्शी और अन्वेषक है जिनके अथक प्रयासों से ही 'मेक इन इंडिया' की सफलता सुनिश्चित हुई है, और इस तरह से हमारा देश वैश्विक आकर्षण एवं जिज्ञासा का केंद्र बन गया है। इस अथ?क सामूहिक प्रयास से ही एक सपने ने एक अत?यंत प्रभावशाली आंदोलन या मुहिम का रूप ले लिया है। मेक इन इंडिया का व्?यापक प्रभाव यह दर्शाता है कि भारत की प्रगति थमने वाली नहीं है।

आज आप में से प्रत्येक का अभिनंदन करने का शानदार अवसर है जिन्होंने इस पहल को अत?यंत सफल बनाया है। आप में से प्रत्येक व्?यक्ति अग्रणी, दूरदर्शी और अन्वेषक है जिनके अथक प्रयासों से ही 'मेक इन इंडिया' की सफलता सुनिश्चित हुई है, और इस तरह से हमारा देश वैश्विक आकर्षण एवं जिज्ञासा का केंद्र बन गया है। इस अथ?क सामूहिक प्रयास से ही एक सपने ने एक अत?यंत प्रभावशाली आंदोलन या मुहिम का रूप ले लिया है। मेक इन इंडिया का व्?यापक प्रभाव यह दर्शाता है कि भारत की प्रगति थमने वाली नहीं है। यह एक ऐसा अहम प्रयास था जो दस साल पहले इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था- विनिर्माण में भारत की प्रगति को और तेज करना, और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि हमारा जैसा प्रतिभाशाली राष्ट्र केवल आयातक ही नहीं, बल्कि निर्यातक भी बने।
पिछले एक दशक पर विचार करते समय मैं इस बात पर गर्व महसूस किए बिना नहीं रह सकता कि 140 करोड़ भारतीयों की अपार क्षमता और कौशल ने हमें कितना आगे बढ़ा दिया है। 'मेक इन इंडिया' की छाप सभी क्षेत्रों में दिखाई देने लगी है जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिनमें हमने अपनी अमिट छाप छोड़ने का सपना कभी भी नहीं देखा था। मैं यहां एक-दो उदाहरण प्रस्?तुत करता हूं। मोबाइल का विनिर्माण... हम सभी यह जानते हैं कि मोबाइल फोन अब कितने अहम हो गए हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2014 में हमारे यहां पूरे देश में केवल दो मोबाइल विनिर्माण ईकाइयां थीं। आज यह संख्या बढ़कर 200 से भी अधिक हो गई है। हमारे देश से मोबाइल निर्यात मात्र 1,556 करोड़ रुपए से ऊंची छलांग लगाकर 1.2 लाख करोड़ रुपए के आश्चर्यजनक आंकड़े को छूने लगा है - यह 7500% की आश्चर्यजनक वृद्धि को दर्शाता है! आज भारत में इस्तेमाल होने वाले 99% मोबाइल फोन सही मायनों में 'मेड इन इंडिया' हैं। हम पूरी दुनिया में दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता बन गए हैं।
हमारे इस्पात उद्योग पर एक नजर डालें तो हम विशुद्ध रूप से तैयार स्टील के निर्यातक बन गए हैं, जिसका कुल उत्पादन वर्ष 2014 से लेकर अब तक 50% से भी अधिक बढ़ गया है। हमारा सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र 1.5 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक का निवेश आकर्षित करने में सफल रहा है, जिसमें पांच संयंत्रों को मंजूरी दी गई है जिनकी संयुक्त क्षमता प्रतिदिन 7 करोड़ से भी अधिक चिप्स की होगी!
नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हम पूरी दुनिया में चौथे सबसे बड़े उत्पादक देश हैं जिसमें कुल क्षमता केवल एक दशक में 400% बढ़ गई है। हमारा इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग जोरदार उछाल के साथ 3 अरब डॉलर का हो गया है, जो वर्ष 2014 में तो एक तरह से अस्तित्व में ही नहीं था। रक्षा उत्पादों का निर्यात मात्र 1,000 करोड़ रुपए से ऊंची छलांग लगाकर 21,000 करोड़ रुपए हो गया है, जो अब तो 85 से भी अधिक देशों में पहुंच गया है।
'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान, मैंने एक जीवंत खिलौना उद्योग की आवश्यकता के बारे में बात की थी और हमारे लोगों ने दिखाया कि यह कैसे किया जाता है! पिछले कुछ वर्षों में, हमने निर्यात में जहां 239% की वृद्धि देखी है, वहीं, आयात आधे से भी कम हो गया है, जिसका विशेष रूप से हमारे स्थानीय विनिर्माताओं और विक्रेताओं को लाभ हुआ है, छोटे बच्चों का तो कहना ही क्या!
हमारी वंदे भारत ट्रेनें, ब्रह्मोस मिसाइलें और हमारे हाथों में मोबाइल फोन - सभी पर गर्व के साथ मेक इन इंडिया लेबल नजर आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक, इससे भारतीय प्रतिभा और गुणवत्ता का पता चलता है। मेक इन इंडिया पहल इसलिए भी खास है क्योंकि इसने गरीबों को बड़े सपने देखने और आकांक्षाएं के लिए पंख दिए हैं- इसने उन्हें यह विश्वास दिलाया है कि वे वेल्थ क्रिएटर बन सकते हैं। एमएसएमई क्षेत्र पर इसका प्रभाव भी उतना ही उल्लेखनीय है।
एक सरकार के रूप में, हम इस भावना को और भी मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा एक दशक लंबा ट्रैक रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ बोलता है। उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं गेम चेंजर रही हैं, जिससे हजारों करोड़ रुपये का निवेश संभव हुआ है और लाखों नौकरियां पैदा हुई हैं। हमने व्यापार को आसान बनाने के लिए भी खासे प्रयास किए हैं।
आज भारत के पक्ष में बहुत कुछ चल रहा है- हम लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग का सही मिश्रण हैं। हमारे पास वो सब कुछ है जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए आवश्यक हैं और जिन्हें व्यापार के लिए एक विश्वसनीय भागीदार में देखा जाता है। हमारे पास सबसे शानदार युवा शक्ति भी है, जिसके स्टार्टअप की सफलता सभी के सामने है।
इस प्रकार, माहौल स्पष्ट रूप से भारत के पक्ष में है। वैश्विक महामारी जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भारत मजबूती से विकास की राह पर बना हुआ है। आज, हमें वैश्विक विकास के नेतृत्व करने वाले के रूप में देखा जा रहा है। मैं अपने युवा मित्रों से आह्वान करता हूं कि वे आएं और मेक इन इंडिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में हमारा साथ दें।
हम सभी को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना चाहिए। गुणवत्ता प्रदान करना हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। जीरो डिफेक्ट हमारा मंत्र होना चाहिए। हम मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण कर सकते हैं जो न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि विश्व के लिए विनिर्माण और नवाचार का केंद्र भी बनेगा।
बता दें कि मेक इन इंडिया अर्थात 'भारत में बनाओ' अभियान भारत सरकार की पहल पर एक बहुआयामी अभियान है, जिसमें भारत को बनाने का अर्थ निहित है। मेक इन इंडिया अभियान की सफलता से ही 'मेड इन इंडिया अर्थात 'भारत में निर्मित' का स्वर्णिम स्वप्न पूर्ण होगा। इस अभियान का उद्देश्य भारत को विनिर्माण के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करने का है। यह संकल्प औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाकर आर्थिक समृद्धि लाने की धारणा पर आधारित है। इस अभियान का सीधा सा अर्थ है- उत्पादन बढ़ाओ, रोजगार के अवसर उत्पन्न करो, क्रयशक्ति बढ़ाओ और विकास प्रक्रिया में सबको लाभ दो। इस अभियान से सम्पूर्ण विश्व की लगभग 300 प्रमुख कम्पनियों को जोड़ने की योजना है और इसके लिए मुख्य 25 क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिनमें भारत अग्रणी स्थान बना सकता है। मेक इन इंडिया पहल इसकी प्राचीनता को संरक्षित और प्रोत्साहित कर रही है, साथ ही इसकी नवीनता और आधुनिकता को भी मजबूत करेगा।
इस अभियान को वास्तविक आधार पर सफल बनाने के लिए विदेशी उद्यमियों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इस अभियान का संकल्प देश के विकास के नए रास्ते खोलने में सक्षम है। मार्ग में आने वाली विघ्नों को दूर कर निवेश की नई सम्भावनाओं से यह अभियान वास्तव में, शांति, सुरक्षा एवं समृद्धि का मूलमंत्र सिद्ध होगा। मेक इन इंडिया के माध्यम से सरकार विभिन्न देशों की कंपनियों को भारत में कर छूट देकर अपना उद्योग भारत में ही लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जिससे भारत का आयात बिल कम हो सके और देश में रोजगार का सृजन हो सके। इसकी बढ़ोतरी होने से निर्यात और विनिर्माण में वृद्धि होगी। फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में सुधार होगा और भारत को मौजूदा प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वैश्विक निवेश के माध्यम से विनिर्माण के वैश्विक हब में बदल दिया जाएगा। इसके माध्यम से सरकार नवाचार और उद्यमिता कौशल में निपुण युवाओं को मुद्रा योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से वित्तीय सहायता दे रही है जिससे कि देश में नयी स्टार्ट उप कंपनियों का विकास हो सके जो कि आगे चलकर रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। इसके तहत कुल 25 क्षेत्रों के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है जिससे लगभग दस मिलियन लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इतने लोगों के रोजगार मिलने से वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ेगी जिससे अर्थव्यवस्था का चहुमुखी विकास हो सकेगा। इस पहल की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में 25 सितंबर, 2014 को की थी। 29 दिसंबर 2014, एक कार्यशाला औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग जो मोदी, उनके मंत्रिमंडल के मंत्रियों और राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ ही विभिन्न उद्योग के नेताओं ने भाग लिया द्वारा आयोजित किया गया था।
अगस्त 2014 में, भारत की कैबिनेट रक्षा क्षेत्र में 49% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और रेलवे के बुनियादी ढांचे में 100% की अनुमति दी। रक्षा क्षेत्र में पहले से अनुमति 26% एफडीआई और एफडीआई रेलवे में अनुमति नहीं थी।

दुर्गापूजा पर आर.जी. कर कांड की छाया

पंडालों पर डॉक्टर के लिए न्याय की मांग

पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा पर आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज कांड की छाया साफ नजर आ रही है। बीते महीने उस सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर के साथ रेप के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी, उसके बाद लंबे अरसे तक जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह बदहाल हो गई थी।इस घटना के विरोध में राज्य की कई दुर्गा पूजा समितियों ने सरकारी अनुदान लेने से इंकार कर दिया है। इधर, राज्य सरकार करीब 43 हजार समितियों को 85-85 हजार रुपए का अनुदान देती है। इसके साथ ही तमाम प्रमुख आयोजन समितियों ने बजट घटा दिए हैं। इसकी वजह यह है कि उनको पिछले साल की तरह प्रायोजक नहीं मिल सके हैं। कोलकाता और उसके आसपास करीब तीन हजार पूजा आयोजित की जाती है। थीम आधारित इस उत्सव में हर साल देश-विदेश की प्रमुख घटनाओं को पंडालों की साज-सज्जा और लाइटिंग के जरिए दर्शाया जाता है। इस साल इस उत्सव पर आर.जी. कर की घटना की छाया नजर आ रही है। कुछ पूजा समितियों ने महिला सुरक्षा को अपनी थीम बनाया है तो एक समिति ने सती दाह को।
कोलकाता की नाकतला नबपल्ली दुर्गापूजा समिति न आर.जी. कर की पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए पूरे पंडाल को ऐसे पोस्टरों और तस्वीरों से सजाने का फैसला किया है।
पंडाल की साज-सज्जा में महिला अधिकारों की भी वकालत की जाएगी।

कोलकाता के प्रमुख बाजार न्यू मार्केट में एक दुकान समीरन मंडल कहते हैं-

इस साल आम लोगों ने आर.जी. कर की घटना को ध्यान में रखते हुए पूजा को उत्सव की तरह नहीं मनाने का फैसला किया है, इसलिए पूजा का आयोजन तो पहले जैसा ही होगा. लेकिन उसमें रंगीनियां नहीं होंगी। पहले जहां दुकानो में रोजाना औसतन 20 से 25 हजार की बिक्री होती थी वह अब घटकर पांच से 10 हजार के बीच यानी आधा या उससे भी कम रह गई है।

कपड़ा बिक्रेताओं का दावा है कि इस बार कारोबार पिछले साल के मुकाबले एक-तिहाई है।
बंगाल में दुर्गा पूजा का कारोबार 50 हजार करोड़ से ज्यादा है. पूजा के दौरान कॉर्पोरेट घराने 800 से लेकर 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा तक खर्च करते हैं. इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स पहले ही अनुमान जता चुका है कि 2030 तक दुर्गा पूजा का टर्नओवर मेगा कुंभ मेला के बराबर हो जाएगा जो करीब एक लाख करोड़ रुपए है। कोलकाता और उसके आस-पास के इलाकों में हर साल करीब साढ़े चार हजार पूजा आयोजित की जाती है. इनमें करीब दो सौ आयोजन ऐसे हैं, जिनमें हर पूजा में 50 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है. बाकियों में से हर पूजा में 20 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है. कुल मिलाकर करीब तीन लाख रोजगार पैदा होते हैं. इनमें टैक्सी ड्राइवर और टूर गाइड्स भी शामिल हैं.

कोलकाता में एक प्रमुख शापिंग माल के मैनेजर दीप विश्वास के मुताबिक-

लोग इस बार उत्सव मनाने के मूड में नहीं हैं। हर साल पूजा के करीब दो महीने पहले से ही प्रमुख बाजारों में भीड़ उमड़ने लगती थी, लेकिन इस साल अपवाद है. इस साल पहले जैसी भीड़ नहीं नजर आ रही है. बिक्री का आंकड़ा भी काफी घट गया है।
कोलकाता की एक प्रमुख आयोजन समिति, जिसका बजट करोड़ों में होता है, के संयोजक दीपंकर दास बताते हैं कि इस साल प्रायोजक ही नहीं मिल रहे हैं। पिछले साल के मुकाबले आधे विज्ञापन भी नहीं मिले हैं. इसकी वजह से बजट में भारी कटौती करनी पड़ी है।
आयोजन समितियों के साझा मंच फोरम फार दुर्गोत्सव के अध्यक्ष पार्थ घोष बताते हैं कि पूजा की करीब 50 हजार करोड़ की अर्थव्यवस्था में 16 सौ करोड़ के खर्च पंडालों और साज-सज्जा पर किया जाता है। इसका 60 फीसदी प्रायोजकों की ओर से मिलता है. लेकिन इस साल कई प्रमुख प्रायोजकों ने या तो अपना हाथ खींच लिया है या फिर बजट में कटौती कर दी है. इससे आयोजन समितियों को भी बजट में कटौती करनी पड़ रही है।
कोलकाता के आर.जी. कर अस्पताल के पास होने वाली सौ साल से भी ज्यादा पुरानी आयोजन समिति के महासचिव अभिषेक भट्टाचार्य बताते हैं कि समिति ने उस घटना को ध्यान में रखते हुए इस साल आयोजन में कटौती की है. लेकिन साथ ही यह भी याद रखना होगा कि इस उत्सव से लाखों लोगों की आजीविका भी जुड़ी है। ऐसा नहीं होता तो हम इस साल पूजा का आयोजन ही नहीं करते।

सपना जितना लुभावना उतना ही मुश्किल भी
आखिर कितना चुनौतीपूर्ण है यह कार्य?

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित एक राष्ट्र एक चुनाव विषय को लेकर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की रिपोर्ट को स्वीकार करने के बाद अब इस मुद्दे पर संवैधानिक प्रक्रियाएं शुरू होने के साथ ही व्यापक राष्ट्रीय चर्चा शुरू हो जाएगी।

कोविन्द समिति की सिफारिशों के अनुसार ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' का युगान्तरकारी उद्देश्य दो चरणों में लागू होना है, जिसमें पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा का निर्वाचन एक साथ कराना और दूसरे दूसरे चरण में आम चुनावों के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय के लिए निर्वाचन (पंचायत और नगर पालिका) कराना शामिल है। सिफारिशों के अनुसार सभी निर्वाचनों के लिए एकसमान मतदाता सूची बनगी और राष्ट्रव्यापी चर्चा के बाद एक कार्यान्वयन समूह को गठन होगा। एक साथ नगर निकायों से लेकर संसद के चुनाव कराने की प्रक्रिया को कुछ आसान बनाने के लिए ही इस सम्पूर्ण संवैधानिक और राजनीतिक कसरत को दो भागों में बांटा गया है। अब देखना यह है कि मोदी सरकार का यह अति महत्वाकांक्षी सपना किस तरह साकार होता है, क्योंकि ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' का नारा जितना लुभावना लगता है उतना आसान कतई नहीं है। इसके लिए महत्वपर्ण संविधान संशोधनों के साथ ही राष्ट्रीय सहमति की भी महती आवश्यकता है और विपक्ष से और कम से कम विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस से इस विचार को समर्थन मिलने की संभावना को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरके ने सिरे से खारिज कर दिया है। इस समय पक्ष और विपक्ष जानी दुश्मन का जैसा व्यवहार कर रहे हैं।

भाजपा अपने बलबूते पर नहीं बल्कि सहयोगी दलों के समर्थन से सत्ता में है। हाल ही में मोदी सरकार को जिस तरह कुछ निर्णयों को लेकर बैकफुट पर आना पड़ा उससे सरकार के एक साथ चुनाव कराने की महत्वांकाक्षी योजना के भविष्य पर सवाल उठना स्वाभाविक ही है।

इधर, फिर भी आशावादी विचारकों और खास कर भाजपा समर्थकों का मानना है कि जब मोदी सरकार पिछले कार्यकाल में धारा 370 को हटाने का जैसा बहुत ही टेढ़ा काम कर सकती है तो यह भी कर लेगी। मोदी सरकार को अपनी मजबूती साबित करने के लिए भी यह जटिल कार्य करना पड़ रहा है। भारत के संविधान में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एक साथ चुनाव का प्रावधान नहीं है। इस विचार को धरातल पर उतारने के लिए संविधान में संशोधन के लिए राजनीतिक सहमति और एक लंबी प्रक्रिया की आवश्यकता होगी। राज्य विधान सभाओं और लोकसभा के लिए निश्चित शर्तें समकालिक नहीं हैं। इन शर्तों के समन्वय के लिए दोनों स्तरों पर संवैधानिक संशोधन और कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी। संविधान के जानकारों के अनुसार इसके लिए कम से कम संविधान के 5 अनुच्छेदों में संशोधन करना पड़ेगा।

अनुच्छेद 83 खंड (2) के तहत लोकसभा का कार्यकाल ठीक 5 साल तय किया गया है। संसद के सत्र के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 85 में प्रावधान किया गया है।

भारत में किसी राज्य की विधानसभा का कार्यकाल संविधान के अनुच्छेद 172 द्वारा निर्धारित किया गया है।

यह अनुच्छेद निर्दिष्ट करता है कि राज्य विधान सभा का सामान्य कार्यकाल पांच वर्ष होगा। लेकिन इसे कुछ परिस्थितियों में राज्य के राज्यपाल द्वारा पहले भी भंग किया जा सकता है, जैसे कि जब विधानसभा बहुमत का विश्वास खो देती है या जब राज्यपाल इसके विघटन की सिफारिश करता है। संविधान आपातकाल की घोषणा की स्थिति में विधानसभा के कार्यकाल के विस्तार की भी अनुमति देता है। इसी अनुच्छेद में प्रावधान है कि जब आपातकाल् की उद्घोषणा प्रवर्तन में है, तब संसद विधि द्वारा ऐसी अवधि एक बार में एक वर्ष तक बड़ा सकेगी और उद्घोषणा के प्रवर्तन में न रह जाने के पश्चात् किसी भी दशा में उसका विस्तार छह मास की अवधि से अधिक नहीं होगा। राज्य की संवैधानिक मशीनरी के खराब होने की स्थिति में केंद्र सरकार अनुच्छेद 356 में प्रदत्त शक्ति का उपयोग कर राज्य के प्रशासन का नियंत्रण ग्रहण करता है। इस अनुच्छेद को राष्ट्रपति शासन भी कहा जाता है। लेकिन अब इस अनुच्छेद का इस्तेमाल आसान नहीं रह गया है। केंद्र शासित प्रदेशों, जिनकी अपनी विधान सभाएं नहीं हैं, की विशिष्ट स्थिति को समायोजित करने के लिए भी आवश्यक प्रावधान करने होंगे। अनुच्छेद 324 में संशोधन कर एक साथ चुनावों के समन्वय के लिए चुनाव आयोग को अतिरिक्त अधिकार और जिम्मेदारियों के साथ सशक्त बनाना होगा ताकि आयोग समय से पहले बिना राज्य सरकार की सहमति से भी चुनाव तिथियां घोषित कर सके।

कटनी पुलिस ने रेलवे आउटर पर कड़ी की सुरक्षा

पुलिस, आरपीएफ और जीआरपी ने चलाया सयुंक्त पेट्रोलिंग और निगरानी अभियान

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी रेल्वे स्टेशन और आउटर मे बढ़ रही लूट चोरी पत्थर बाजी की घटनाओ क़ो देखते हुए आज कण्ट्रोल रूम मे पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त शहर क़े थाना प्रभारी आरपीएफ जीआरपी की सयुंक्त बैठक ली गयी जिसके बाद ही कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने अपने स्टॉफ व जीआरपी व आरपीएफ पुलिस क़े साथ खिरहनी फाटक रेल्वे आउटर मे ट्रेक पर निरक्षण किया व आने जाने बाली ट्रेनो मे दरबाजे पर बैठे लोगो क़ो फटकार लगायी ओर समझाईस दी गयी। कोतवाली थाना क्षेत्र आशीष शर्मा ने बताया की कटनी जीआरपीएफ थाना कोतवाली थाना और आरपीएफ की पुलिस बल के साथ आज

सयुक्त रूप से रेलवे स्टेशन के आउटर पर होने वाली घटाओ को रोक थाम के लिए पेट्रोलिंग की गई और आउटर से गुजरने वाली ट्रेनों के दरवाजे पर बैठे यात्रियों को फटकार लगाते हुए समझाइस दी गई। वही उन्होंने ने यह भी बताया की इस तरह की सघन चेकिंग और पेट्रोलिंग लगातार की जायेगी और जिले के सभी रेलवे स्टेशनों के आउटर पर प्वाइंट बनाया गया है जहा 24 घाटे एआरपीएफ जीआरपीएफ और कोतवाली थाने की पुलिस तैनात रहेगी। जिससे कोई अप्रिय घटना घटित न हो सके।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों की हुई मण्डलीय बैठक

सीएम डैशबोर्ड में मण्डल की उच्चतर रैंकिंग बनाने के लिए करें प्रयास

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मंडलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में सीएम डैश बोर्ड के आधार पर माह अगस्त के लिए विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आहूत की गई। मण्डलीय समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि सीएम डैशबोर्ड में मण्डल की रैंकिंग उच्च स्तरीय रहे। खराब प्रदर्शन करने वाले विभाग अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंडलायुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद ने समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी बैठक में तैयारी के साथ उपस्थित हों एवं बुकलेट में सही आंकडे प्रस्तुत करें। उन्होने कहा कि जन शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए अधिकारी प्रतिदिन अपना विभागीय पोर्टल चैक करे। उपभोक्ताओं द्वारा विद्युत विभाग को की गई गलत बिलों का त्वरित संज्ञान लेते हुए यथाशीघ्र कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होने उप श्रमायुक्त को निर्देश दिए कि चीनी मिलों सहित अन्य अधिष्ठानों में श्रम कानूनों के अनुसार कार्य किए जाने के लिए एक एडवाईजरी जारी करें। उन्होंने निर्देश दिए कि मण्डल में ब्लैक स्पॉट को चिन्हित करते हुए उनके आस-पास सीएचसी अथवा पीएचसी पर एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य

रूप से सुनिश्चित कराई जाए। डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने एडी बेसिक शिक्षा को निर्देश दिए कि बीएसए एवं एबीएसए की जिम्मेदारी तय करते हुए निपुण परीक्षा आंकलन को समय से करवाया जाना सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि निमार्णाधीन सडकों एंव परियोजनाओं को समयबद्धता के साथ पूर्ण करें एवं आंकडे समय-समय पर पोर्टल पर अपलोड किए जाएं। जल-जीवन मिशन में खराब प्रगति मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि सडकों का बेहतर तरीके से रेस्टोरेशन कार्य कराया जाए। इसके तहत एक सूची तैयार की जाए और समय निर्धारित करते हुए कार्य किया जाना सुनिश्चित किया जाए। मण्डलायुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि जिन कार्य के लिए लक्ष्य आवंटित नहीं हुए उनके माहवार लक्ष्य तय कर कार्य किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य या परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी है उनकी जानकारी प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों को दी जाए जिससे समय से लोकार्पण का कार्य हो सके। जिन ठेकेदारों द्वारा कार्य को निर्धारित समय एवं गुणवत्ता के साथ कार्य नहीं किया जा रहा उनको डीबार किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सहारनपुर सुमित राजेश महाजन, मुख्य विकास अधिकारी मुजफ्फरनगर संदीप भागिया, मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय कुमार तिवारी संयुक्त विकास आयुक्त, अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग,जल निगम सहित संबंधित विभागों के मण्डल एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

फार्मेसिस्ट एसोसिएशन ने मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस, तुषार यादव बने आईपीए के जिला सचिव

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, जिला मुख्यालय में फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिस पर इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बिपिन कुमार ने कार्यक्रम के दौरान ही तुषार यादव को जिला सचिव पद पर नियुक्त कर एक नई ज़िम्मेदारी दी है। इस दौरान हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अनूपपुर जिला मुख्यालय में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ए के अवधिया, सिविल सर्जन अनूपपुर डॉ एस बी अवधिया, पूर्व सीएमएचओ डॉ एस सी राय, सर्जन डॉक्टर साकेत कौशिक, मेडिसिन

स्पेशलिस्ट डा एन पी मांझी, हॉस्पिटल मैनेजर डॉ जन्मजय , ड्रग इंस्पेक्टर प्रमोद मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। एवं जिले के समस्त मेडिकल संचालक फार्मासिस्ट एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ हॉस्पिटल फार्मासिस्ट भी उपस्थित रहे कार्यक्रम में अपनी शिरकत की।कोषाध्यक्ष धीरज साहू जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। और कहा की जैसे हमने अपनी जिम्मेदारी अब तक निभाई है ऐसे ही समाज कल्याण का कार्य हमारे द्वारा निरंतर किया जायेगा ।

बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष बने लहरी सिंह

गौरव सिंघल । सिटी चीफ नागल । सहारनपुर, एससी/एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन के चुनाव में लहरी सिंह को सर्वसम्मति से संगठन का ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया है। चुनाव प्रवेक्षक सुधीर कुमार व कुंवर सिंह ने बताया कि ब्लॉक नागल इकाई का सर्वसम्मति से गठन किया गया है। जिसमें लहरी सिंह को ब्लॉक अध्यक्ष, बाबूराम को कोषाध्यक्ष व नवीन कुमार को सर्वसम्मति से मंत्री चुना गया?। इस दौरान राकेश चंद्र, परविंदर कुमार, रजनीश कुमार, देशराज सिंह, धर्मदास, अमित कुमार, शिवानंद, सुदेश कुमार, मोहर सिंह, धारा सिंह, रेखा रानी, उषा रानी आदि शिक्षक मौजूद रहे।

सहारनपुर वैश्य अग्रवाल सभा समन्वय समिति अध्यक्ष पवन गोयल ने कहा

महाराजा अग्रसेन जी का जयंती समारोह अग्रवाल धर्मशाला में 3 अक्टूबर को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर (नागल), वैश्य अग्रवाल समाज नागल के तत्वावधान में आयोजित वैश्य बंधुओं की बैठक में वैश्य अग्रवाल सभा समन्वय समिति सहारनपुर के जिला अध्यक्ष पवन गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी का जयंती समारोह अग्रवाल धर्मशाला में 3 अक्टूबर को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। जिसमें वैश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को भागीदारी सुनिश्चित करना है। बस स्टैंड स्थित पवन गोयल के प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक में वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद में वैश्य समाज 170000 की भागीदारी होने के बावजूद राजनीति में प्रतिनिधित्व नगण्य है अब जरूरत एकजुट होकर अपना वजूद दिखाने की है।

जिला महामंत्री रवि गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम में वैश्य समाज की रिकॉर्ड भागीदारी ही हमारे समाज को गौरवमयी स्थान दिला सकती है। उन्होंने जयंती में अपने परिवार की महिला व बच्चों को अवश्य लेकर आने की अपील करते हुए कहा कि नई पीढ़ी जब तक ऐसे कार्यक्रमों में शामिल नहीं होगी तब तक उन्हें अपने समाज के महापुरुषों एवं अपने संस्कारों के बारे में कोई जानकारी नहीं होगी।

महिला वैश्य समाज सहारनपुर की अध्यक्ष कुसुम अग्रवाल ने वैश्य समाज में निरंतर घटती जन्म दर एवं रिश्ते करने में हो रही कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए समाज से इस दिशा में चिंतन करने की अपील की। वैश्य अग्रवाल समाज नागल के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि नागल कस्बा एवं क्षेत्र से भारी संख्या में वैश्य बंधु शामिल होंगे। उन्होंने सभी अतिथियों से नागल में होने वाले 7 अक्टूबर के जयंती कार्यक्रम में शामिल होने की अपील भी की।

राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि प्रतिवर्ष नागल से जयंती में जितने लोग जाते हैं उसमें दो से तीन गुना इजाफा किया जाएगा। युवा वैश्य अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कपिल तायल ने एकता में ही शक्ति है हम संगठित होंगे तो हमारा समाज संगठित होगा युवा वैश्य समाज के जिला मंत्री मोहित गोयल ने कहा कि वह आसपास के गांव में तीन को सहारनपुर एवं 7 अक्टूबर को नागल पहुंचने के लिए लोगों से अपील कर रहे हैं। बैठक में मुख्य रूप से नरेश माहेश्वरी, मुकेश माहेश्वरी, पवन गोयल, मनोज गुप्ता, अमित गर्ग, गौरव तायल, नवीन गर्ग, अमित, सचिन राठी, सैंकी तायल, नितिन माहेश्वरी, अंकित कुमार, मोहनलाल तायल, नितिन गर्ग, मुकेश बंसल, सरवन गुप्ता, सोनू, नवनीत, पुनीत, उदय, विजय, आर्यन, प्रिंस, अनमोल, पीयूष आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

चिकित्सालयों में उपलब्ध सुविधाओं की सूची प्रदर्शित करते हुए किया जाए प्रचार-प्रसार :- डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत गठित जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की समीक्षा बैठक की गयी। सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना के 06 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 20 सितम्बर से 30 सितम्बर तक मनाए जा रहे आयुष्मान पखवाडा के तहत जिलाधिकारी द्वारा जनपद के 07 निजी चिकित्सालयों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डीएम मनीष बंसल ने समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि आशाओं के भुगतान के संबंध में आगामी बैठक में सरलीकृत फार्मेट में आंकडे प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक से पहले सभी आशाओं को 01 सितम्बर तक भुगतान शत-प्रतिशत कर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। स्कूल आई स्क्रीनिंग कार्यक्रम के तहत बेहतर गुणवत्ता के चश्में बनवाएं जाएं एवं जनपद स्तर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाए। इसके साथ-साथ अन्य सीएचसी-पीएचसी पर भी चश्मा वितरण कार्यक्रम किया जाए तथा विद्यालयवार डाटा तैयार करें।

रामपुर मनिहारान, नानौता, नागल, सढौली कदीम व देवबन्द के उपकेन्द्र में प्रसव कराना सुनिश्चित करवाया जाए।

इसके लिए संबंधित ए0एन0एम0 को प्रशिक्षण भी दिया जाए तथा प्रसव की व्यवस्था के संबंध में आमजन के मध्य प्रचार-प्रसार कर जानकारी दी जाए। स्टाफ नर्स को पीपीआईयूसीडी की ट्रेनिंग दी जाए। आमजन को परिवार नियोजन के प्रति मोटिवेट करते हुए उसके फायदो की जानकारी दी जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर उपलब्धता के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सभी सीएचसी एवं पीएचसी पर चिकित्सकों की तैनाती एवं उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। चिकित्सकों की कम उपलब्धता होने पर एक रोस्टर बनाते हुए सीएचसी एवं पीएचसी के अनुसार दिनवार उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा इसका प्रचार-प्रसार कर आमजन को जानकारी भी दी जाए। उन्होंने चिकित्सालयों में मानक के अनुसार जीवन रक्षक औषधियों की उपलब्धता, नि:शुल्क लगाए जाने वाले टीके, लैब में होने वाली जांचे तथा चिकित्सकों की उपलब्धता का समय एवं दिनांक सूची लगाकर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, जिससे आमजन को पारदर्शिता के साथ सही जानकारी एवं स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। बीमारियों के कारण एवं बचाव संबंधी पोस्टर लगवाने के भी निर्देश दिए। अस्पतालों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। डीएम मनीष बंसल ने संचारी रोगों में डेंगू एवं चिकनगुनिया के तहत निर्देश देते हुए कहा कि डेंगू के रोगी जहां पाए जा रहे है वहां पर अभियान चलाकर जांच कराएं ताकि जनपद में डेंगू रोग के फैलाव से बचाव किया जा सके। उन्होंने एमओआईसी एवं मलेरिया अधिकारी को आपस में समन्वय बनाकर कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के पूरे प्रोटोकाल का पालन किया जाए। आरसीएच के नोडल की कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती शिवांका गौड तथा समस्त सीएचसी एवं पीएचसी से चिकित्सक मौजूद रहे।

न कोई डिग्री न कोई डिप्लोमा बन गया डाक्टर कई मरीजों की ले चुका है जान, पैसों की दम पर करता है मामला रफा दफा

खुटा टोला आर टी ओ चेक पोस्ट के सामने बंगाली द्वारा संचालित किया जा रहा अवैध क्लिनिक

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, अनुपपुर के जैतहरी ब्लॉक के खुटाटोला ग्राम में आर टी ओ चेक पोस्ट के ठीक सामने बंगाली संचालित करता है अवैध क्लिनिक बंगाली के पास न ही कोई डिग्री है न ही कोई क्लिनिक संबंधित कागजात फिर भी सालो से का रहा इलाज , बंगाली कई बार मरीजों की जान से खेल चुका है और मरीज के परिजनों को पैसा दे कर उनका मुंह बंद करवा देता है बंगाली को प्रशासन का कोई दर नही है बंगाली से बात करने पर बंगाली का कहना होता है जिसको जो करना है कर ले मेरा कुछ नही बिगड़ सकते मेरी

बड़े बड़े अधिकारियों से सेटिंग है मै सबको पैसा पहुंचाता हु बंगाली द्वारा इतनी बड़ी बात का कोई तो मतलब जरूर है और सैयद बड़े बड़े अधिकारी बंगाली के सिस्टम में है इसलिए बंगाली पर कार्यवाही नही हो पा रही ,बंगाली अपने क्लिनिक में दवाओं का जखीरा भी रखे हुए रहता है जिसमे कई दवाएं देश में पूरी तरह प्रतिबंधित है , मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधिया जी को बंगाली के बारे में जानकारी सिटी चीफ अनुपपुर ब्यूरो द्वारा दी गई है और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की तरफ से बंगाली पर कार्यवाही का आश्वासन भी दिया गया है अब देखिए की इस फर्जी डाक्टर पर कब कार्यवाही होगी और क्या कार्यवाही उपरांत ये दुबारा क्लिनिक संचालित करता रहेगा या इस पर सक्त कार्यवाही करते हुए इसे जेल भेजा जाएगा।

आखिर जिला शिक्षा आंख और कान क्यों बंद किए है,

क्या ये सब कारनामा अधिकारियों के संरक्षण में हो रहें है...

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, कैसे सुधरेगी सतना जिला में शिक्षा व्यवस्था, कहीं स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षक विद्यालय भवन में चैन की नींद लेते हुए कैमरे में कैद तो कहीं सतना जिला शिक्षा कार्यालय में पदस्थ जिला कर्मचारी शिक्षा अधिकारी के नाक के नीचे ड्यूटी पीरियड में आराम से चैन की नींद लेते हुए कैमरे में कैद ,इस दृश्य को देखकर आप सतना जिले की शिक्षा व्यवस्था पर अपना अंदजा सहज ही लगा लीजिए कि कैसी चल रही है,जब सतना जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सुबह से शाम तक पूरे जिले भर की जनता के साथ तमाम विकासखण्ड के आधिकारी, एवं शिक्षकों का आना जाना लगा रहता है उसके बाद भी यहां पदस्थ कर्मचारी का यह रवैया शिक्षा विभाग की तमाम कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है.

दमोह में 03 प्राथमिक शिक्षक 01 माध्यमिक शिक्षक के वेतन रोकने आदेश जारी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेन्दूखेड़ा के प्राचार्य ने सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के प्रावधानों के तहत प्राथमिक शिक्षक सुशीला ठाकुर, प्राथमिक शिक्षक नरेन्द्र सिंह लोधी, प्राथमिक शिक्षक पुष्पा राय एवं माध्यमिक शिक्षक सतेन्द्र कुमार जैन का 20 सितम्बर 2024 एक दिवस का वेतन काटने के आदेश जारी किये है।

इस संबंध में संकुल प्राचार्य, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय तेन्दूखेड़ा द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला सलैया माल तेन्दूखेड़ा के प्राथमिक शिक्षक सुशीला ठाकुर, प्राथमिक शिक्षक नरेन्द्र सिंह लोधी, प्राथमिक शिक्षक पुष्पा राय एवं माध्यमिक शिक्षक सतेन्द्र कुमार जैन के लिये सार्थक मोबाइल एप पर उपस्थिति दर्ज नहीं कराये जाने के कारण मौखिक रूप से निर्देशित करने के उपरान्त भी सार्थक मोबाइल एप पर 20 सितम्बर को विद्यालयीन समय व स्थल से उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गई। सार्थक मोबाइल एप पर प्राथमिक शिक्षक सुशीला ठाकुर, प्राथमिक शिक्षक नरेन्द्र सिंह लोधी, प्राथमिक शिक्षक पुष्पा राय 10 ?सितम्बर से 20 सितम्बर 2024 तक सार्थक मोबाइल एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं कराई जा रही है। एवं माध्यमिक शिक्षक सतेन्द्र कुमार जैन विद्यालय में अनुपस्थित रहे एवं 20 सितम्बर को प्रात 11 20 बजे तक शाला में अनुपस्थित पाये गये। उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-03 के विपरीत होकर वरिष्ठ कार्यालय के आदेश / निर्देशों की अवहेलना करना, शाला से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहना पदीय दायित्वों का निर्वहन न करते हुये, कार्य के प्रति उदासीनता, लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता का स्पष्ट द्योतक है। ज्ञातव्य है नवीन शैक्षणिक सत्र 2024-25 में शिक्षा की गुणवत्ता छात्र हित एवं पारदर्शिता की दृष्टि से 01 जून 2024 से शिक्षको को सार्थक एप मोबाईल पर उपस्थिति दर्ज कराने एवं सतत मानीर्टरिंग करने संबंधी निर्देश प्रसारित किये गये थे।

कोतवाली पुलिस द्वारा सायबर सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में कार्यशाला का आयोजन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, कोतवाली पुलिस द्वारा अनूपपुर नगर के प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय में सायबर सुरक्षा को लेकर कालेज की छात्र - छात्राओ के बीच कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन, प्राचार्य प्रोफेसर जे. के. सन्त, उपनिरीक्षक प्रवीण साहू , सेवानिवृत्त प्रोफेसर विक्रम सिहं बघेल, रामचन्द्र यादव जिला खेल प्रशिक्षक, डाक्टर सतेन्द्र सिहं चौहान व्याख्याता, प्रोफेसर संगीता वाशरानी सहायक प्रध्यापक के द्वारा महाविद्यालय के छात्र छात्राओ को वर्तमान में सायबर सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को पुलिस द्वारा बताया गया कि आज के वर्तमान दौर में मोबाईल एवं इंटरनेट का सभी को उपयोग करना होता है जिसके चलते अनेको लोग सायबर अपराध के शिकार हो रहे है, जैसे सोशल मीडिया इन्स्टाग्राम, फेसबुक आदि पर फर्जी आई.डी.बनाकर अश्लील फोटो वीडियो को

वायरल करने की धमकी देकर ब्लेकमेल करना, इंटरनेट बैकिंग से संबंधित ओ.टी पी. मांगा जाकर फ्राड करना, ए.टी.एम, क्लोनिंग, लाटरी का लालच देकर फ्राड करना, नौकरी का लालच देकर आनलाईन फ्राड करना, डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर ब्लेकमेल करने जैसे अपराध घटित हो रहे है। उक्त सायबर अपराधों से बचने के लिए सबसे बड़ी सुरक्षा स्वयं की सजगता है। छात्र छात्राओं को बताया गया कि सोशल मीडिया जैसे इन्स्टाग्राम, फेसबुक आदि पर व्यक्ति सूचनाये (मोबाईल नम्बर, जन्मतिथि, फैमली डीटेल आदि) शेयर न करें। फेसबुक एकाऊण्ट में *Two Factor Authantication* एक्टिवेट रखे। सोशल मीडिया में प्रायवेसी हेतु सभी सेटिंग को लागू करें, अनजान नम्बरो से बातचीत एवं फ्रेण्ड रिकवेस्ट से बचें। किसी भी लालच में आकर ओ.टी.पी. शेयर न करें। भारत के बाहर से आने वाले अनजान विदेशी काल को स्वीकार न करें। किसी भी प्रकार की सायबर संबंधी अपराध घटित होने पर तत्काल हेल्पलाईन नम्बर 1930 पर शिकायत दर्ज करायें एवं नजदीकी पुलिस थाना अथवा सायबर सेल पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अपनी रिपोर्ट तत्काल दर्ज कराये जिससे धोखाधड़ी कर निकाले गये धनराशि को रोका जाकर नुकसान बयाया जा सकें। सजगता में ही सायबर सुरक्षा है का नारा दिया जाकर उक्त कार्यक्रम में सायबर सुरक्षा की जानकारियां प्रदान की गई।

प्रोडक्शन मैनेजर की लापरवाही से आमजन तक पहुंचा गैस रिसाव

गैस रिसाव के जिम्मेदार प्रोडक्शन मैनेजर पर हो मामला दर्ज : आमजन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ शहडोल, सोडा कास्टिक यूनिट ओरिएंट पेपर मिल में गैस रिसाव का रिहायसी इलाके में फैलने के कारण का हुआ खुलासा। सूत्रों के मुताबिक और जानकारी के अनुसार बरगवां अमलाई के सोडा कास्टिक यूनिट में कुछ दिनों पूर्व हुए गैस रिसाव को लेकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी उद्योग के कर्मचारियों के द्वारा आपसी बातचीत में निकलकर पब्लिक प्लेस में खुलासा हुआ है की उद्योग के कार्मिक प्रबंधक जी एम अविनाश कुमार वर्मा के द्वारा जैसी ही जानकारी गैस रिसाव की प्राप्त हुई तत्काल उद्योग के प्रोडक्शन मैनेजर को उद्योग का संचालन बंद करने को कहा गया और संबंधित विभाग के इंजीनियर इंचार्ज और प्रोसेस विभाग के कर्मचारियों को तत्काल गैस रिसाव को रोकने के लिए आदेश दिए गए। किंतु प्रोडक्शन मैनेजर के द्वारा अपने लापरवाही पूर्ण औरअड़ियल रवैया के कारण जानबूझकर एक छोटी सी गैस रिसाव की घटना को बड़ा रूप प्रदान कर दिया गया जानकारों का कहना है कि एक तो चार वर्ष पूर्व रिटायरमेंट हुए उद्योग के प्रोडक्शन मैनेजर कंपनी नियमों के आधार पर उपयुक्त ना होते हुए अपनी नौकरी के 60 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं जिसके कारण यह उद्योग के नियम के अनुसार अनफिट कर्मचारी माने जाएंगे लेकिन इस तरह इनके साथ और कई ऐसे अधिकारी कर्मचारी हैं जिन्हें रिटायरमेंट

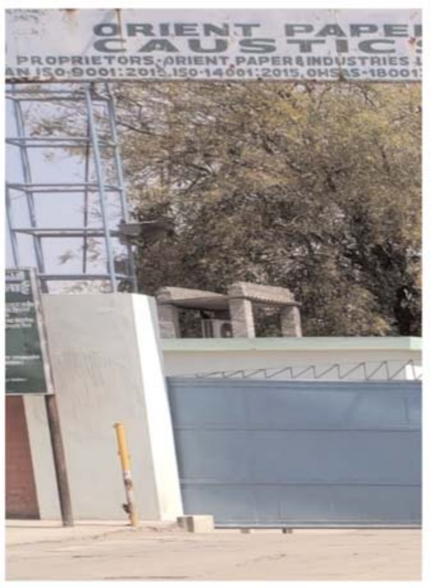

होने के बावजूद भी उद्योग में कार्य पर रखा गया है ऐसे में कंपनी प्रबंधन क्या करना चाहती है और क्या दिखाने का प्रयास कर रही है ऐसा प्रतीत होता है कि इन रिटायरमेंट कर्मचारियों और अधिकारियों को रखकर कम वेतन मांन में अधिकतम कार्य की उम्मीद लगाए बैठा है है जो इनके लिए समस्या का कारण भी बन सकता है और बन भी गया क्योंकि जी एम आदेश के बावजूद उद्योग का संचालन तत्काल बंद ना करते हुए क्लोरीन गैस को फैलने का अवसर दिया गया जिससे बाहर रिहायसी इलाके में निवासरत आबादी में भगदड़ होने के साथ गैस की चपेट में भी आ गए और प्रशासनिक अम्ल के साथ स्थानीय जन भी इस घटना से अछूते नहीं रहे।

कौन है प्रोडक्शन मैनेजर।

सोडा कास्टिक यूनिट में कार्य करने वाले एक एक प्लांट के इंचार्ज ए के पुरोहित जो की रिटायरमेंट होने के बावजूद उद्योग के अंदर प्रोडक्शन मैनेजर के तौर पर अभी भी डटे हुए हैं औद्योगिक नियमों के अनुसार अपने कार्य की 60 वर्ष की अवधि पूर्ण होने के बावजूद उद्योग में ऐसे कर्मचारी और अधिकारी को कार्य पर नहीं रखा जाना चाहिए जिनकी शारीरिक क्षमता का क्षय हो चुका हो फिर भी उद्योग के द्वारा ऐसे कर्मचारियों को और अधिकारियों को बचत करने के नाम पर कार्य पर रखा गया है ऐसी स्थिति में अगर कोई घटना और दुर्घटना होती है तो जिम्मेदार कौन होगा।

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार यह भी पता चला है कि इस उद्योग के अंदर कार्यरत कुछ ऐसे कर्मचारी और अधिकारी भी है जिनके द्वारा संध्या काल के बाद नशे की लत में रहने के आदी भी हैं जिनके द्वारा शराब का सेवन कर उद्योग के अंदर कार्य में देखे जा सकते हैं और इस सच्चाई की पुष्टि उनके कार्य के दौरान मेडिकल जांच के आधार पर ही की जा सकती है और जिस दिन गैस रिसाव की घटना हुई है उस दिन भी पता चला है कि प्रोडक्शन मैनेजर के द्वारा शराब का सेवन कर आराम फरमाया जा रहा था अचानक गैस रिसाव की घटना को सुनकर आनन फानन में अपने आप को बचाने के लिए उद्योग के जी एम आदेश को भी अनसुना कर दिया गया। गैस हिसाब होने के बाद आधे घंटे तक उद्योग का सायरन भी नहीं बजाया गया था और जैसे ही वहां बसी आबादी के बीच भगदड़ व खलबली मची तो अपने आप को प्रशासनिक कार्रवाई से बचाने के लिए सायरन बजाया गया।

छात्रावास में करंट लगने से दो छात्रों की हुई मौत, परिजनों का बुढ़ापे का सहारा छीना गांव में छाया सन्नाटा

धार। कहने को तो सरकार आदिवासी जिलों में लाखों करोड़ों रुपए का बजट देकर सरकारी स्कूलों व होस्टल सर्व युक्त सुविधा देती है। वहीं विद्यार्थियों की आवश्यकता अनुसार कर्मचारियों व वार्डन भी रखे जाते हैं मगर जमीनी स्तर पर जिले के सभी हॉस्टलों की हालत दयनी है वही आज भी कहीं हॉस्टलों में बच्चों को अपना काम खुद करना पड़ता है मगर वहां पदस्थ कर्मचारी बस तनखा से मतलब रखते हैं। वही ऐसा यह पहली बार नहीं हुआ है कि किसी छात्रावास में घटना हुई हो लगातार जिले में एक महीने में आधा दर्जन से अधिक घटनाएं हो चुकी है। उसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कुंभकरण की नींद सोए हुए थे। वहीं सरकार हजारों रुपए की तनखा पाने के बाद भी जिम्मेदार कर्मचारी अपने काम से मुंह मोड़ते हुए नजर आते हैं। वही थोड़ी सी लापरवाही के कारण दो परिवारों के घर का चिराग उजड़ गया बता देकि की ग्राम रिंगनोद में करंट लगने से दो छात्रों की मौत हो गई है। छात्रावास में मौजूद अन्य विधार्थियों ने दोनों छात्रों को सरदारपुर के अस्पताल भेजा था, जहां पर दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा हैं, कि सुबह के समय बच्चें नाश्ता करने के लिए छात्रावास परिसर में ही एकत्रित हुए थे, इसी बीच मृतक विकास पिता संग्रामसिंह उम्र 17 साल व आकाश पिता शैतान सिंह को करंट लगा है। जिनकी मौत हो चुकी हैं, इधर हादसे की सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों बच्चो को टैंक तक कैसे पहुंचे, इसको लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जांच के बाद ही बच्चों के टैंक के पास तक पहुंचने के कारणों की जानकारी सामने आएगी।

एस ई सी एल की आमा डांड कोयला खदान में नील कंठ प्राइवेट लिमिटेड की चल रही मनमानी, मजदूरों का मार रहे, जिम्मेदार ने बंद कर रखी आंख

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, जमुना कोतमा छेत्र अंतर्गत आमा डांड खुली खदान परियोजना संचालित है ,जिसके प्रेडेक्शन से लेकर कोयला परिवहन सारे कार्य एस ई सी एल द्वारा गुजरात की कंपनी नीलकंठ को दे दिया गया है , जिस कारण नीलकंठ कंपनी अपने मुनाफे के कारण खदान में जो कर्मचारी कार्य पर रखे गए है उनको कोल माइन्स गाइडलाइन के अनुसार वेतन न देकर कम वेतन दिया जाता है और कर्मचारियों के विरोध करने पर उन्हें काम से निकाल देने की धमकी दे दी जाती है कभी कभी तो निकाल भी दिया जाता है , नौकरी से निकाल दिए जाने के डर से कर्मचारी

नीलकंठ कंपनी का ये शोषण सहन करने को मजबूर है अपने परिवार के पालन पोसन के लिए कर्मचारी नियत दिन खून का घूंट पीकर नील कंठ में काम कर रहा है । इस शोषण के लिए अगर कर्मचारी हिम्मत कर सबेरिया मैनेजर या जनरल मैनेजर से शिकायत कर भी देता है तो यह ज़िम्मेदार पद पर बैठे लोग अपनी आंख ओर कान बंद कर लेते है या ये कहे की नीलकंठ कंपनी प्रोडक्शन बंद करने की धमकी दे कर इनकी आंख बंद करा देती है , नीलकंठ कंपनी का ये शोषण का खेल कब तक यू ही चलता रहेगा या प्रशासन इसमें हस्तछेप कर ये शोषण बंद करवाएगी और नीलकठ कंपनी पर कोई उचित कार्यवाही करेगी।।

दमोह के सिंग्रामपुर में 5 अक्टूबर को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक

लाड़ली बहना और स्व-सहायता समूह सम्मेलन के संबंध में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिले के ग्राम सिंग्रामपुर में 5 अक्टूबर को आयोजित होने वाली कैबिनेट बैठक एवं लाड़ली बहना और स्व-सहायता समूह सम्मेलन के संबंध में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आयोजित जिला अधिकारियों की बैठक में कहा सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का निर्वाहन समय सीमा पर करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, वनमंडलाधिकारी एम.एस. उईके विशेष रूप से मौजूद रहे। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री से कहा निर्धारित समय सीमा पर हेलीपैड और अन्य आवश्यक कार्य समय सीमा में सुनिश्चित कर लिए जाए। बैठक में पार्किंग व्यवस्था के संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी स्पॉटो पर पार्किंग व्यवस्था निर्देशानुसार सुनिश्चित कर ली जाए और पार्किंग के फ्लेक्स इंडिकेटर मार्गो पर भी लगाए जाएं, साथ ही साउंड सिस्टम भी रखने के निर्देश दिए गए। बैरिकेट्स के संबंध में चर्चा करते हुए लोक निर्माण विभाग कार्यपालनयंत्री को जबलपुर और सागर के अधिकारियों से समन्वय कर बैरिकेट्स की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। कलेक्टर ने ट्रैफिक प्लान शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक प्लान कर

गूगल मैप पर भी डाल दिया जाए। उन्होंने कहा सभी विभाग अपने-अपने दो-दो अधिकारी के नाम एडिशनल कलेक्टर के पास प्रस्तुत कर दे ताकि उनकी ड्यूटी लाइजनिंग ऑफिसर के रूप में लगाई जा सके। कलेक्टर ने सड़क निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि मार्ग के मरम्मत का कार्य 30 सितम्बर तक सुनिश्चित कर लिया जाए। उन्होंने इस कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए कहा कि वह इसे सुनिश्चित करें, इसकी वे लगातार मॉनिटरिंग करते रहें। बैठक में विद्युत व्यवस्था के संबंध में चर्चा करते हुए विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए तदानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से एंबुलेंस डॉक्टर की व्यवस्था आदि के संबंध में समुचित दिशा निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में आज सागर में होगी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा और सेक्टोरल-सत्र होंगे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 सितंबर को सागर में रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर सेक्टोरल-सत्रों में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न नवीन एवं प्रस्तावित परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे। इनमें सागर, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के क्षेत्रीय कार्यालय के लिए प्रस्तावित भूमि आवंटन, सागर में एमपीआईडीसी के रीजनल कार्यालय का भूमि-पूजन, सागर, दमोह, पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर एवं निवाड़ी जिलों में जिला निवेश प्रोत्साहन केंद्र का लोकार्पण और कोयंबटूर में एमपीआईडीसी के कार्यालय का लोकार्पण शामिल हैं। प्रदेश के चौथे रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव का आयोजन सागर के जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी ग्राउंड में शुक्रवार को किया जा रहा है। कॉन्क्लेव में देश-विदेश के उद्योगपति एवं निवेशक शामिल होंगे। शुभारंभ सत्र में र देश के प्रमुख उद्योगपति राज्य में निवेश के प्रति अपने विचार रखेंगे।

सेक्टोरल-सत्र कॉन्क्लेव में विभिन्न सेक्टोरल-सत्र आयोजित किये जायेंगे। इसमें पेट्रोकेमिकल, प्लास्टिक एवं संबंधित सेक्टर (मुख्य फोकस ङ्क बीना रिफ़ाइनरी से संबंधित) कृषि, खाद्य प्र-संस्करण और डेयरी क्षेत्र, एमएसएमई एवं स्टार्टअप, कुटीर उद्योग (मुख्य फोकस-बीड़ी उद्योग), रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल व टेक्निकल टेक्सटाइल पर दो राउंड-टेबल सत्र, एक ज़िला-एक उत्पाद (ओडीओपी) से संबंधित कार्यशाला और स्थानीय समस्याओं के आईटी आधारित समाधान के लिए हैकथोन का आयोजन भी शामिल हैं।

कॉन्क्लेव का मुख्य फोकस कुटीर उद्योग कॉन्क्लेव का मुख्य फोकस स्थानीय कुटीर उद्योग होगा। बीड़ी उद्योग पर आधारित पृथक सेशन में विस्तृत कार्य-योजना पर चर्चा की जायेगी। %एक ज़िला-एक उत्पाद% में सागर संभाग के सभी जिलों के स्थानीय उत्पादों की विश्व स्तरीय गुणवत्ता, विपणन एवं प्र-संस्करण सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी।

कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं संबंधी वीडियो फिल्म दिखाई जायेगी। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूनिटिज इन मध्यप्रदेश पर और प्रमुख सचिव खनन एवं खनिज साधन संजय शुक्ला द्वारा इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूनिटिज इन माइनिंग सेक्टर पर प्रेजेंटेशन दिया जायेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ल द्वारा इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूनिटिज इन टूरिज्म सेक्टर और सचिव एमएसएमई डॉ. नवनीत मोहन कोठारी एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स पर प्रेजेंटेशन देंगे। कॉन्क्लेव में प्रबंध निदेशक हस्तशिल्प, हथकरघा विकास निगम एवं मध्यप्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड श्री मोहित बुंदस द्वारा कुटीर एवं ग्रामोद्योग पर प्रेजेंटेशन देंगे। प्रमुख उद्योगपति मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर एवं टेक्सटाइल व टेक्निकल सेक्टर में निवेश पर राउंड टेबल मीटिंग होगी। कॉन्क्लेव में एक जिला-एक उत्पाद सहित विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं की प्रदर्शनी एवं स्टॉल भी लगाये जायेंगे। कॉन्क्लेव में बुंदेलखंडी संस्कृति से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। स्थानीय कलाकार बुंदेलखंडी नृत्य और गायन की आकर्षक प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम स्थल पर पारम्परिक तरीके से अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। अतिथिगण भोजन में स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे।

पुर्व विधायक गौरी भाऊ व भाजपा नेत्री मौसम हरिनखेड़े के बयानों पर विधायक अनुभा का तीखा पलटवार

इतने वर्षों से क्यों नहीं करवायें स्वीकृत झूठा श्रेय लेने से बचें पुर्व विधायक-अनुभा

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, विगत दिनों पूर्व लालबर्रा में पुर्व विधायक व पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन व उनकी पुत्री तथा भाजपा नेत्री मौसम हरिनखेड़े तथा पार्टी समर्थकों के द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर 50 बिस्तरों वाला हास्पीटल स्वीकृत को अपने कार्यकाल में किए जाने को लेकर बयान बाजी कि गई थी साथ ही साथ सीएम राइज स्कूल कि स्वीकृती कि बातें भी उनके द्वारा कही गई थी। जिस पर वर्तमान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा लालबर्रा के शासकीय विश्राम ग्रह में 25 सितंबर दिन बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर उनके द्वारा कहे गए शब्दों का कटाक्ष कि तथा उनको नसीयत देते हुए चेताया भी गया है। तथा पुर्व विधायक व पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन व भाजपा नेत्री मौसम हरिनखेड़े पर तीखा पलटवार किया और कहा कि आपने 35 साल तक राज किया,आप जिले के दो बार सांसद रहे तीन बार केबीनेट मंत्री रहे आयोग के अध्यक्ष भी रहे फिर आपने अभी तक 50 बिस्तरों वाला हास्पीटल क्यों स्वीकृत नहीं कराये है,सब जानते हैं कि सीएम राइस स्कूल को आपने अपने ग्रह ग्राम लेण्डेझरी लेकर चले गए थे। जिसका लोगों ने विरोध भी किये थे हम जोड़ने वाली राजनीति करते हैं तोड़ने वाली राजनीति नहीं करते हैं हम लोगों को बसाते हैं लोगों के रोजगार नहीं छुड़ाते है। साथ ही गौरीशंकर बिसेन ने इतने वर्षों तक पद में रहकर लालबर्रा अस्पताल के लिए कुछ नहीं किया गया,उल्टा एक वर्ष पूर्व लालबर्रा अस्पताल के लिए राज्यसभा सांसद से स्वीकृत एम्बुलेंस कि राशि डॉ पर दबाव डालकर वापस करा दि गई।

जनमत से चुनी हुई जन सेवक हूं,अपना अधिकार जानती हूं -वहीं आगे अपनी बातें रखते हुए श्रीमती मुंजारे ने कही कि मुझे जनता ने चुनकर विधानसभा में पहुंचाया है मैं जनसेवक हूं मुझे अपना अधिकार मालूम है जनता ने मुझे अधिकार दिया है,कि मैं भूमिपूजन करु,भाजपा के लोग बेवजह हमारे काम में दखल दे रहे हैं,मैं जब से निर्वाचित हुई हूं मैंने किसी भी कार्य का श्रेय नहीं लिया मैं बराबर अपनी मेहनत पर विश्वास करती हूं जब तक के लिए जनता ने मुझे चुना है मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करुंगी,मैं इस तरह के प्रतिस्पर्धा में कभी नहीं रहना चाहती कि मुझे श्रेय मिले आज के दौर में जनता खुद समझदार है जनता को सब दिख रहा है कि कौन किस तरह से कार्य कर रहा है मैं तो पहली बार विधानसभा में विधायक बनकर पहुंची हूं और अभी मात्र नौ माह हि हुए हैं और इस नौ माह के अन्तराल में,मैं जितना प्रयास कर सकती हूं उतना कर रही हूं जब तक दम है तब तक जनता कि सेवा करते रहूंगी भारतीय जनता पार्टी कि बयान बाजी कि मैं कठोर निंदा करती हूं।

मौसम भाजपा जिला महामंत्री हो सकती है कोई संवैधानिक पद पर नहीं है, उसमें नहीं है राजनीतिक सोच समझ- वहीं श्रीमती अनुभा मुंजारे ने अपनी बातें रखते हुए आगे कही कि मौसम हरिनखेड़े भाजपा कि जिला महामंत्री हो सकती है कोई संवैधानिक पद पर नहीं है और ना ही उनको राजनीतिक समझ है कुछ भी बयान बाजी करते हैं, इसका प्रमाण इसी बात से साबित होता हैं कि विधानसभा चुनाव में टिकट मिलने के बाद टिकट अदला बदली हो गई बेटी को टिकट मिल रही है और उसके बाद रातों-रात टिकट बदल दी जा रही है और पिता जी को टिकट दि गई इससे साफ जाहिर होता है कि भारतीय जनता पार्टी को खुद मौसम हरिनखेड़े पर भरोसा नहीं है टिकट मिलने के बाद उनकी टिकट ले ली गई फिर किस मुंह से बड़बोलापन कर रही है उन्हें जरा सोचना चाहिए,मैं एक जिम्मेदार पद पर जनप्रतिनिधि हूं और बालाघाट विधानसभा कि जनता ने मुझे बहुत भारी बहुमत से चुना है मैंने कोई लोकलुभावन वादे नहीं किए और ना मैंने कोई दिखावा किया श्रीमती अनुभा मुंजारे ने आरोप लगाया कि लालबर्रा में बनने वाले पांच उपस्वास्थ्य केंद्र के भूमिपूजन समारोह में मौसम हरिनखेड़े बिना किसी संवैधानिक हैसियत के हस्तक्षेप कर रही है वे भाजपा कि जिला महामंत्री हो सकती है लेकिन कोई संवैधानिक पद पर नहीं है तो फिर किस अधिकार से वहां पहुंच रही है और भूमि-पूजन में भाग ले रही है। वहीं इस दौरान प्रमुख रूप से लालबर्रा पांढ़रवानी सरपंच व विधायक प्रतिनिधि जिला पंचायत श्री अनीश खान, शैलेष केकती पुर्व जनपद सदस्य व विधायक प्रतिनिधि शासकीय अस्पताल लालबर्रा, श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस,भाउराम गाढेश्वर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, जाहिद खान जनपद सदस्य, प्रशांत चन्द्रवार, नितिन सांखला, सहित अन्य सभी कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे हैं।

मामला बालाघाट के ललाबर्रा थाना के ग्राम धारावासी का आरोपी पति फरार, जांच में लगी पुलिस

पति ने पत्नी पर कुल्हाड़ी चलाकर कर दी पत्नी की हत्या

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, लालबर्रा थाना के ग्राम पंचायत धारावासी के काली टोला में पति ने पत्नी के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है।पुलिस थाना लालबर्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना गत 25 सितंबर की शाम की है, पुलिस को देर शाम घटना की सूचना परिजनों से मिलने पर लालबर्रा पुलिस धारावासी पहुंची,जहां मदनलाल करसरपे की पत्नी श्रीमती कविता करसरपे का रक्त से लथपथ शव मिला।विदित हो कि रात हो जाने से ललाबर्रा पुलिस द्वारा,अग्रिम कार्यवाही नहीं की जा सकी। जिसके चलते पूरी रात पुलिस, घर में पहरा देती रही और 26 सितंबर की दोपहर 12 बजे वारासिवनी अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अभिषेक चौधरी,लालबर्रा थाना प्रभारी हेमंत नायक और एफएसएल टीम ने बारिकी से घटना स्थल का निरीक्षण किया। जहां पुलिस को रक्त से सनी एक कुल्हाड़ी मिली। चूंकि महिला के सिर पर गंभीर घाव होने से ऐसी आशंका है कि पति मदनलाल कारसर्पे ने पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या की और उसके बाद वह फरार हो गया। फिलहाल 26 सितंबर की दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक तक घटनास्थल पर चली कार्यवाही के उपरांत पुलिस ने शव बरामद कर शव विच्छेदन हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा भिजवाया गया। जहां शव का विच्छेदन चिकित्साधिकारी डॉ.शुश्री ऋतु धुर्वे द्वारा किया गया।और शव परिजनों कों सौंप दिया है। मृतका कविता के चाचा गणपत ठाकरे ने बताया कि कुल्हाड़ी से बेटी की हत्या की गई है और हत्या के बाद से आरोपी फरार है। वहीं लालबर्रा थाना प्रभारी हेमंत नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 सितंबर की शाम पुलिस को धारावासी में एक घर में महिला की लाश पड़ी होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद घटनास्थल पहुंचे। जहां प्रारंभिक तथ्य के आधार पर हत्या प्रतित होने पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। जिसमें फरार आरोपी पति की तलाश के लिए दो पुलिस के दो दल तलाशी अभियान में जुटे है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत धारावासी निवासी मदनलाल कारसरपे और पत्नी कविता का एक पांच साल का बेटा है। जब वह गत 25 सितंबर की शाम शाला से छुट्टी होने के बाद घर लौटा तो घर का दरवाजा बंद था। जिसके आवाज लगाए जाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों ने आवाज दी, लेकिन अंदर से आरोपी मदनलाल नहीं खोल रहा था। जिसके बाद,मृतिका का देवर रामकलेश कारसरपे कच्चे मकान की छत की कवेलु निकालकर देखा तो अंदर मृतिका महिला कविता कारसरपे लहुलुहान हालत में पड़ी थी। इसी दौरान आरोपी पति मदनलाल पीछे का दरवाजा खोलकर फरार हो गया। जिसके बाद घटना की सूचना लालबर्रा पुलिस को दी गई। बताया जाता है कि घटना से पहले पति और पत्नी के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद आवेश में आकर मदनलाल ने घर में रखी कुल्हाड़ी से पत्नी कविता के सिर पर हमला कर दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जो काफी देर तक मृत पत्नि के शव के पास बैठा रहा। जब स्कूल से बच्चे के आने और दरवाजा खोलने की आवाज आने लगी और मोहल्ले वासियों को इसकी जानकारी लगी तो वह पिछले दरवाजे से फरार हो गया।बहरहाल लालबर्रा पुलिस द्वारा कथित आरोपी मदनलाल कारसरपे के खिलाफ ग्राम धारावासी निवासी 25 वर्षीय प्रार्थिया श्रीमती श्यामवती पति रामकलेश कारसरपे जाति गोवारी की रिपोर्ट पर ललाबर्रा पुलिस द्वारा मर्ग कायमी के बाद कथित आरोपी मदनलाल करसरपे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 103(1)के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामलें की जांच ललाबर्रा थाना प्रभारी हेमन्त नायक द्वारा की जा रही है।

इनका कहना- आज दोपहर ग्राम धारावासी निवासी श्रीमती कविता करसरपे का शव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा लाया गया जहां मेरे द्वारा शव का परीक्षण कर शव का विच्छेदन किया गया।प्रथम दृष्टया एवं लघु चिकित्सा रपट के आधार पर मृतिका के सर और गले में किसी धारदार हथियार से हमला किया गया है और रक्त अधिक बहने से महिला की मौत हुई है। **डॉ.ऋतु धुर्वे चिकिसाधिकारी,लालबर्रा**

गैस सिलेंडर लेने के लिए अब बताना होगा डिलीवरी कोड, ब्लैकमेलिंग पर लगेगी रोक

धार। अब सरकार द्वारा एलपीजी की कालाबाजारी पर नकेल कसने के लिए नई व्यवस्था अनिवार्य होने जा रही है। गैस डिलीवरी के लिए कैश मीमो जारी होते समय उपभोक्ता के पंजीकृत नंबर पर डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड डीएसी पहुंचता है। डिलीवरी मैन को ये कोड उपलब्ध कराना होगा, जिसके बाद ही सिलिंडर उपलब्ध होगा। ये व्यवस्था जल्द ही अनिवार्य करने की प्रक्रिया चल रही है। ग्राहकों को सिलेंडर प्राप्त करने के लिए अब डीएसी कोड बताना होगा तभी सिलेंडर प्राप्त हो सकेगा। वही एडवाइजरी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के द्वारा जारी की गई है। इसके बाद से गैस सिलेंडर की ब्लैकमेलिंग पर भी रोक लगा सकेगी। बार-बार सिम बदलने वाले उपभोक्ताओं को सिलेंडर लेने में भी दिक्कत हो सकती है। लक्की गैस एजेंसी के जगदीश बरखेड़ा द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम द्वारा ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए एडवाइजरी जारी की गई है वही 1 नवंबर से शुरू होना है। वही विभाग के अधिकारी ने बताया कि आगे आपके साथ ऑनलाइन फ्रॉड के लिए अनजान व्यक्ति को गैस डिलवरी नंबर जुड़वाने के नाम पर ओटीपी मागे तो ना दे। अगर कोई परेशानी आ रही तो गैस एजेंसी या जिला आपूर्ति ऑफिस आकर संपर्क करे।

जानें कैसे काम करेगा नया सिस्टम- सिलेंडर की होम डिलवरी के लिए ष्ठ्रष्ट यानी डिलवरी ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी होगा। इसके लिए गैस एजेंसी आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक कोड भेजेगा। उस कोड को आपको डिलवरी बॉय को दिखाना होगा। इसके बाद ही वे आपको सिलेंडर देंगे। बिना ओटीपी के डिलवरी पूरी नहीं होगी। अगर किसी कस्टमर ने डिस्ट्रीब्यूटर के पास अपना मोबाइल नंबर अपडेट नहीं कराया है तो डिलवरी बॉय के पास मौजूद मोबाइल में एक ऐप होगा जिसके जरिए आप अपना नंबर अपडेट करवा सकेंगे। ऐसा करने पर रियल टाइम में एक कोड जनरेट होगा। जिसके इस्तेमाल से आप रसोई गैस ले सकेंगे। कम्पनी का यह कदम ग्राहक सेवा को सुगम बनाने के लिए लिया गया है। इसलिए सभी ग्राहकों से अपील की गई है। कि आपके घर पर सिलेंडर डिलिवरी करने के लिए आए हुए डिलिवरीमैन को अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आए हुए डीएसी को बताना सुनिश्चित करें। इसमें आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है।

4 लाख 69 हजार कनेक्शन है जिले में- जिले में 4 लाख 69 हजार उपभोक्ता हैं, जिनको 46 से अधिक एजेंसी सिलिंडर उपलब्ध कराती हैं। इसमें आइओसी, एचपीसी, बीपीसी सम्मिलित हैं। इन उपभोक्ताओं का हक नहीं छिने इसके लिए पेट्रोलियम मंत्रालय व्यवस्था को फूल प्रूफ करने जा रहा है। गैस बुक कराने से लेकर डिलीवरी होने तक उपभोक्ता के मोबाइल पर निरंतर मैसेज आते हैं। कैश मीमो जारी होते वक्त आने वाला नंबर सबसे महत्वपूर्ण होगा, इसे देने के बाद ही सिलिंडर मिल सकेगा। ये डीएसी नंबर पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ही जाएगा, जिससे डिलीवरी मैन के स्तर पर भी गड़बडी नहीं हो सकेगी।

पता और मोबाइल नंबर अपडेट कराना अनिवार्य- नई सिलेंडर डिलीवरी पॉलिसी में उन कस्टमर्स की मुश्किलें बढ़ जाएंगी जिनका एड्रेस गलत और मोबाइल नंबर गलत हैं. इस वजह से उन लोगों की सिलेंडर की डिलीवरी रोकी जा सकती है. ऑयल कंपनियों की तरफ से सभी ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वो अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर अपडेट करा दें. ताकि उन्हें सिलेंडर की डिलीवरी लेने में किसी तरह की कठिनाइयों का सामना ना करना पड़े. हालांकि यह नियम कमर्शियल LPG सिलेंडर के लिए लागू नहीं होगा।

जारी हुए नवंबर के लिए नये मूल्य सरकारी तेल कंपनियों ने नवंबर महीने के लिए एलपीजी गैस सिलेंडरों के नये दाम भी जारी कर दिए हैं. नवंबर महीने के लिए भी 14 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है. हालांकि, 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 78 रुपये प्रति सिलेंडर का इजाफा किया गया है.वही 4 लाख 65 हजार परिवार सख्या है तो जिले में 4 लाख 69 हजार से अधिक कनेक्शन है व 2 लाख 29 हजार उज्ज्वला में टी लाडली बहना में 1 लाख 37 हजार हितग्राहियों की सख्या है

डिलेवरी कोड बताना होंगे- अब गैस सिलेंडर लेने के लिए ग्राहक को अब बताना होगा डिलीवरी कोड उसके आधार पर ही सिलेंडर मिलेगा वही जिन कनेक्शनधारियों के मोबाईल नंबर अपडेट नही वह जल्दी से करवा ले। **श्रीराम बरडे जिला आपूर्ति अधिकारी धार**

अमेरिका की चेतावनी- इससे पश्चिम एशिया में तबाही का खतरा

लेबनान पर जमीनी हमले की तैयारी कर रहा इस्राइल

वॉशिंगटन। इस्राइल के लेबनान में हवाई हमले और उसमें 550 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है और संघर्ष के बढ़ने का खतरा बना हुआ है। अब इस्राइल की नई योजना से ये संघर्ष पूर्ण युद्ध में तब्दील हो सकता है। दरअसल इस्राइल, लेबनान में जमीनी हमले करने की तैयारी कर रहा है और इसके लिए वह अपनी सेना को लेबनान में दाखिल करने की योजना बना रहा है। अमेरिका ने इसे लेकर चेतावनी दी है कि इससे पूरे पश्चिम एशिया में तबाही आ सकती है। इस्राइल की सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हेरजी हालेवी ने अपने सैनिकों को लेबनान में जमीनी हमले के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। पहले इस्राइल की लेबनान में जमीनी हमले की योजना नहीं थी, लेकिन अब जैसे हालात बन गए हैं और हिजबुल्ला ने इस्राइल को धमकी दी है, उसके बाद जमीनी हमले की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा है कि वह पश्चिम एशिया में युद्धविराम की कोशिश कर रहा है और इस्राइल और लेबनान के बीच तनाव को कम करने के प्रयास कर रहा है।

फ्रांस के विदेश मंत्री करेंगे बेरूत की यात्रा

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस्राइल और लेबनान से शांति बनाए रखने की अपील की है और चेताया है कि अगर युद्ध हुआ तो इससे पूरे पश्चिम एशिया में तबाही आ सकती है। फ्रांस के विदेश मंत्री ने भी कहा है कि उनका देश इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच 21 दिनों लिए के युद्धविराम की कोशिश कर रहा है ताकि तनाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि युद्धविराम के प्रस्ताव की जानकारी जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी। फ्रांस के विदेश मंत्री इसके लिए बेरूत की यात्रा पर भी जाने वाले हैं।

शांति की कोशिशें भी तेज

गौरतलब है कि इस्राइल के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत डैनी डेनन ने भी कहा है कि उनका देश संघर्ष को रोकने के लिए तैयार है। वहीं लेबनान के प्रधानमंत्री ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अपील की है कि संघर्ष को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करें और इस बात की गारंटी सुनिश्चित करें कि इस्राइल उसके सभी कब्जाए गए इलाकों को खाली कर देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने एक बयान में कहा है कि ह्यइस्राइल लेबनान में पूर्ण युद्ध छिड़ने की स्थिति में पूरे पश्चिम एशिया में तबाही आने का खतरा है। उन्होंने कहा कि अगर इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम होता है तो इससे वेस्ट बैंक और गाजा में भी युद्धविराम के आसार बनेंगे।

लेबनान में हवाई हमले कर चुका है इस्राइल

अमेरिका और फ्रांस के साथ ही कई उनके सहयोगी देश भी इस्राइल और लेबनान के बीच शांति स्थापित करने की वकालत कर रहे हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, जर्मनी, इटली, जापान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर शामिल हैं। इस्राइल और लेबनान के बीच हमास के इस्राइल में हमले के बाद से ही तनाव की स्थिति है और दोनों पक्ष एक दूसरे पर बीच-बीच में हमले करते आ रहे हैं। बीते मंगलवार को इस्राइल ने लेबनान में कई ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद तनाव चरम पर है।

लेबनान में लाखों नागरिक प्रभावित

सोमवार को इजरायल के द्वारा हिज्बुल्लाह के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए शुरू किए गए अभियान के बाद से लेबनान में 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, लेबनान में इस बीच करीब 90 हजार लोग विस्थापित हुए हैं, जो कि 110,000 लोगों के अलावा हैं, जो तनाव बढ़ने से पहले अपने घरों से भाग गए थे।

अब तक क्या-क्या हुआ

– एक इंटरव्यू के दौरान लेबनान में चल रही स्थिति के बारे में पूछे जाने पर, राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा, एक बड़ी जंग मुमकिन है. मुझे लगता है कि अभी भी एक ऐसा मौका है, जिससे समझौता हो सकता है, जो पूरे इलाके को मौलिक रूप से बदल सकता है।

– व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका और फ्रांस राजनयिक समझौते के आखिरी दौर की दिशा में कूटनीति के लिए जगह देने के लिए लेबनान-इजरायल बॉर्डर पर तत्काल 21-दिवसीय युद्धविराम का आह्वान करते हैं। स्थिति असहनीय हो गई है और यह न तो इजरायल और न ही लेबनान के लोगों के के लिए फायदेमंद है।

इजरायल के यूएन राजदूत डैनी डैनन ने कहा कि यहूदी राष्ट्र युद्ध विराम का स्वागत करेगा और कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देगा। हालांकि, उन्होंने दोहराया कि ईरान इलाके में हिंसा का केंद्र है और शांति के लिए इस खतरे को खत्म करना जरूरी है।

–जवाब में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराक्ची ने कहा कि तेहरान हिज्बुल्लाह का समर्थन करता है। यह इलाका पूरी तरह से तबाही के कगार पर है। अगर इसे रोका नहीं गया, तो दुनिया को भयावह परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि लेबनान में नरक टूट रहा है और देश दूसरा गाजा नहीं बन सकता। सभी पक्षों से, आइए एक स्पष्ट स्वर में कहें- हत्या और विनाश को रोकें, बयानबाजी और धमकियों को कम करें और कगार से पीछे हटें।

महाराष्ट्र में भारी बारिश से हालात चिंताजनक

पीएम का दौरा करना पड़ा निरस्त

मुंबईझ्रपुणे। महाराष्ट्र के कई शहरों में भारी बारिश के कारण हालात चिंताजनक हैं। सड़कों पर जलभराव के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पुणे और पिंपरी चिंचवड़ में स्कूल-कॉलेज बंद रखने का फैसला लिया गया । मुंबई पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और मौसम विभाग की तरफ से जारी चेतावनी को गंभीरता से लेने की अपील की है। रेलवे परिचालन भी प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक महाराष्ट्र के रायगड, रत्नागिरी के अलावा कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पूर्वी मध्यप्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, मराठवाड़ा, तटीय कर्नाटक, बिहार में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। रायलसीमा, गुजरात क्षेत्र, छत्तीसगढ़, पश्चिम मध्य प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र , कर्नाटक के कुछ हिस्सों और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर भी आगे भी भारी बारिश के आसार हैं।

45 वर्षीय महिला की मौत पर गंभीर सवाल

खराब मौसम के कारण मुंबई में ही एक हादसे में महिला की मौत की खबर भी सामने आई। अंधेरी के एमआईडीसी इलाके में खुले नाले में 45 वर्षीय महिला विमल गायकवाड़ डूब गई। बृह्नमुंबई महानगरपालिका के अधिकारियों ने बताया कि मुंबई फायर ब्रिगेड ने उसे बचाया और कूपर अस्पताल भेजा, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ट्रेनों की अधिकतम गति पर अंकुश

मूसलाधार बारिश के कारण गोवंडी-मानखुर्द के बीच चलने वाली मुंबई लोकल ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) ने बताया कि पटरियों पर पानी कम होने के बाद हार्बर लाइन की लोकल ट्रेनें रात 11.23 बजे सेवाएं फिर से शुरू हुईं। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए ट्रेनें सावधानी के साथ चलाई जा रही हैं। गति को अधिकतम 25 किमी प्रति घंटा तक सीमित रखा गया है। बुधवार को मुंबई में हुई मूसलाधार बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव और ट्रैफिक जाम देखा गया। रात करीब 11.30 बजे मुंब्रा बाईपास पर भूस्खलन हुआ। मुंबई के कुर्ला ईस्ट, नेहरू नगर, चेंबूर में भी जलभराव की तस्वीरें सामने आईं। कुर्ला पुल पर भी गाड़ियां रेंगती रहीं। अग्निशमन विभाग के अधिकारी स्वप्निल सरनोबत ने बताया कि ट्रैफिक जाम के कारण लोग करीब 3 घंटे तक हलकान हुए। मुंबई पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

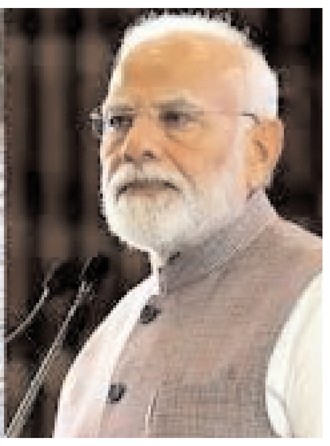

घर के अंदर ही रहने की अपील

मुंबई पुलिस ने एक्स हैंडल पर स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा की। बयान में कहा गया कि मौसम विभाग ने मुंबई और उपनगरों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। 26 सितंबर को सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी रखी गई। मुंबई पुलिस ने कहा कि मुंबईवासियों से बहुत आवश्यक होने पर ही बाहर निकलने की अपील की है। पुलिस ने नागरिकों से घर के अंदर ही रहने की अपील करते हुए किसी भी आपात स्थिति में 100 नंबर डायल करने को कहा।

पीएम मोदी का पुणे दौरा रद्द

महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पुणे दौरा रद्द करना पड़ा। पीएम मोदी गुरुवार को राज्य का दौरा करने वाले थे। वे यहां पुणे मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ के साथ ही वह 22,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास भी करने वाले थे। हालांकि, बारी बारिश को देखते हुए उन्हें अपना दौरा रद्द करने का फैसला लेना पड़ा। पीएम राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत स्वदेशी रूप से विकसित लगभग 130 करोड़ रुपये की लागत के तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर भी राष्ट्र को समर्पित करने वाले थे। इन सुपरकंप्यूटरों को पुणे, दिल्ली और कोलकाता में अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान की सुविधा के लिए तैनात किया गया है। वे मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का उद्घाटन करने वाले थे। बता दें कि इस परियोजना पर 850 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। पीएम मोदी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की 10,400 करोड़ रुपये की विभिन्न पहलों का शुभारंभ करने वाले थे। ये पहल ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, ट्रक और कैब चालकों की सुरक्षा और सुविधा, स्वच्छ गतिशीलता और एक टिकाऊ भविष्य पर केंद्रित है।

बदरीनाथ हाईवे पर पहाड़ी से गिरा मलबा

उत्तराखंड में टिहरी, चमोली सहित अलग-अलग जिलों में भारी बारिश से नदियां उफान पर है। नदियों का जलस्तर बढ़ने से कई जगह भूमि कटाव हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार 30 सितंबर तक प्रदेश में विभिन्न जिलों में बारिश की संभावना बनी रहेगी।

टिहरी घनसाली में देर रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से एक बार फिर नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। आपदा प्रभावित क्षेत्र बूढ़ाकेदार में धर्मगंगा नदी का जलस्तर बढ़ा है, जिससे सड़क खोलने में जुटी पोकलेंड मशीन नदी के बीचों बीच फंस गई है।

ग्राम प्रधान सनौप सिंह राणा ने बताया कि लागातर क्षेत्र में बारिश हो रही है।

बूढ़ाकेदार बाजार के समीप पीएमजेएसवाई विभाग द्वारा बूढ़ाकेदार-पिंस्वाड मोटरमार्ग पर लगाए गए जाले भी नदी के कटाव से बह गए हैं। चमोली जिले में भी बीती रात से लगातार मूसलाधार बारिश जारी है। बारिश के चलते जनजीवन प्रभावित हो गया है। बदरीनाथ हाईवे चटवापीपल में पहाड़ी से मलबा आने पर बाधित हो गया। वहीं चटवापीपल के पास ही एक होटल में बारिश का पानी घुस गया। टिहरी जिले में बारिश होने के बाद जिला मुख्यालय नई टिहरी और आसपास के क्षेत्र में ठंड बढ़ने लगी है।

कुछ कट के बाद रिलीज हो सकती है कंगना की फिल्म इमरजेंसी

मुंबई। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में बताया है कि अगर कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को कुछ कट्स के बाद रिलीज होने की मंजूरी दी जा सकती है। कंगना की फिल्म इमरजेंसी पहले 6 सितंबर को रिलीज होनी थी, लेकिन सेंसर बोर्ड से मंजूरी न मिलने के चलते इसकी रिलीज अटक गई। कंगना रनौत का आरोप है कि सेंसर बोर्ड फिल्म को सर्टिफिकेट जारी नहीं कर रहा है और फिल्म की रिलीज में देरी कर रहा है। कंगना रनौत ने अपनी फिल्म इमरजेंसी में अभिनय के साथ ही उसका निर्देशन और सह-निर्माण भी किया है। फिल्म में कंगना रनौत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है। इस फिल्म को लेकर कुछ सिंख संगठनों ने आपत्ति जताई थी। इनमें शिरोमणि अकाली दल भी शामिल है। इन संगठनों का आरोप है कि फिल्म में सिख समुदाय को गलत तरीके से पेश किया गया है और कई ऐतिहासिक तथ्य गलत दिखाए गए हैं।

जी एंटरटेनमेंट ने दायर की है याचिका

कंगना रनौत के साथ फिल्म का निर्माण करने वाले जी एंटरटेनमेंट ने फिल्म की रिलीज न होने पर बॉम्बे हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। जी एंटरटेनमेंट ने दावा किया कि सीबीएफसी ने फिल्म का सर्टिफिकेट बना दिया है, लेकिन इसे जारी नहीं कर रहा है। जी एंटरटेनमेंट का का आरोप है कि राजनीतिक कारणों और हरियाणा चुनाव की वजह से फिल्म के सर्टिफिकेट को रोका गया है।

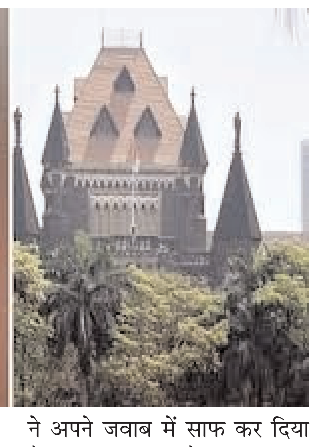

हाईकोर्ट ने सीबीएफसी को लगाई थी फटकार

अपील पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीएफसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) से जवाब मांगा था। जस्टिस बीपी कोलाबावाला और फिरदौस पूनावाला ने बीते हफ्ते सीबीएफसी को फटकार लगाई थी और फैसला न लेने के लिए बोर्ड की आलोचना की थी। हाईकोर्ट ने सीबीएफसी को 25 सितंबर तक जवाब देने का समय दिया था। अब सीबीएफसी ने अपने जवाब में साफ कर दिया है कि कुछ कट्स के साथ फिल्म रिलीज हो सकती है, जो कि कंगना रनौत और जी एंटरटेनमेंट के लिए राहत की खबर है।

कुछ कट्स के बाद रिलीज हो सकती है फिल्म

सीबीएफसी के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने कोर्ट को बताया कि बोर्ड की समीक्षा समिति ने फिल्म को लेकर फैसला ले लिया है। समिति ने सुझाव दिया है कि कुछ कट्स के साथ फिल्म रिलीज हो सकती है। इस पर जी एंटरटेनमेंट की तरफ से पेश हुए वकील शरण जगतियानी ने कोर्ट से कुछ समय मांगा है ताकि यह फैसला लिया जा सके कि कट्स लगाए जा सकते हैं या नहीं। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 30 सितंबर तक टाल दी है।

यूएन महासभा के मंच से फ्रांस के राष्ट्रपति ने की भारत की वकालत

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल उन्होंने अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की जरूरत बताई और भारत को इसमें स्थायी सीट देने की वकालत की। गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका समेत कई प्रमुख राष्ट्र भी भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुके हैं। अपने संबोधन में इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस, सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है और जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही अफ्रीका से भी दो देशों को इसमें प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। गौरतलब है कि अमेरिका भी भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुका है। बीते दिनों ही संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी की राजदूत लिंडा थॉमस ने भी अपने एक बयान में कहा था कि भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट दी जानी चाहिए।

सहकर्मी के 59 टुकड़े कर फरार हुआ, 22 दिन बाद लगा ली फांसी

बैंगलुरु। बैंगलुरु में महालक्ष्मी हत्याकांड के मुख्य आरोपी मुक्ति राजन प्रताप रे ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस के मुताबिक, पकड़े जाने के डर से आरोपी ने यह कदम उठाया। आरोपी ने बुधवार को ओडिशा में खुदकुशी कर ली। पिछले दिनों बंगलूरू में दिल्ली जैसा श्रद्धा मर्डर केस जैसा मामला सामने आया था। बंगलूरू में रहने वाली महिला महालक्ष्मी की बेरहमी से हत्या कर दी गई और उसे 50 से ज्यादा टुकड़ों में काटकर फ्रीजर में भर दिया गया। कर्नाटक पुलिस की कई टीमें महालक्ष्मी की हत्या की सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं। बैंग्लुरु में शनिवार (21 सितंबर) को एक भयावह हत्याकांड का मामला सामने आया। वायलिकावल में दिल्ली में श्रद्धा वाकर की हत्या की तर्ज पर 29 वर्षीय महिला महालक्ष्मी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यहां विनायक लेआउट इलाके के एक घर में हत्याकांड को अंजाम दिया गया। उनके शरीर के टुकड़े कर एक रेफ्रिजरेटर के अंदर भरे हुए मिले थे। महालक्ष्मी का क्षत-विक्षत शव उनकी मां और बड़ी बहन ने घर में पाया। महालक्ष्मी की एक बहन अपने जुड़वां बेटों के साथ एक ही इमारत में अलग-अलग घरों में रहती थीं। महालक्ष्मी अपने पति हेमंत दास से अलग हो गई थीं और अक्तूबर 2023 से इस इलाके में रह रही थीं। महालक्ष्मी हत्याकांड को लेकर परिवार वालों ने चार लोगों पर शक जताया है, जो बंगलूरू में ही रहते थे। इनमें मुक्ति राजन, शशिधर, सुनील और अशरफ शामिल हैं। मुक्ति राजन, शशिधर और सुनील महालक्ष्मी के साथ काम करते थे। परिजन का दावा है कि उत्तराखंड का रहने वाला अशरफ महालक्ष्मी के साथ था। बताया गया कि महालक्ष्मी जिस कंपनी में काम करती थीं, वहां उनका झगड़ा हो गया था।

महालक्ष्मी के पति हेमंत दास ने बताया कि एक दिन जब उन्होंने महालक्ष्मी का मोबाइल फोन चेक किया तो पता चला कि वह अशरफ के संपर्क में हैं। घटना के बाद से ही बंगलूरू पुलिस ने हत्यारे की तलाश में जाल बिछा दिया। आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गईं। आरोपियों की तलाश में जहां दूसरे राज्यों में छापेमारी हो रही है। पुलिस एक-एक कर संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही है। उधर आरोपियों की पहचान के लिए जब फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के विशेषज्ञों ने महालक्ष्मी के घर की तलाशी ली तो कई उंगलियों के निशान मिले। इससे पुलिस को शक हुआ कि महालक्ष्मी की हत्या कई लोगों ने की है।

इस बीच, पुलिस कमिश्नर बी दयानंद ने दावा किया कि पुलिस को उस शख्स का सुराग मिल गया है जिसने घटना को अंजाम दिया। पुलिस कमिश्नर के मुताबिक, आरोपी राज्य के बाहर का है और बंगलूरू में रहता था। हत्या करने के बाद आरोपी फरार हो गया और पुलिस ने आरोपी के लिए जाल बिछाया है। पुलिस जांच से पता चलेगा कि यह हत्या एक व्यक्ति ने की है या एक से अधिक लोगों ने की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569